पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

30 वर्षों बाद रोमानिया पहुंची भारतीय राष्ट्रपति, ऐतिहासिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने सांसद विजय बघेल

सशक्त बचपन, समृद्ध छत्तीसगढ़

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 03 ◆ रायपुर 05 अगस्त 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

सार समाचार

5 लाख मीट्रिक टन चावल के शीघ्र उठाव की पहल

नई दिल्ली- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ से 5 लाख मीट्रिक टन चावल के शीघ्र उठाव तथा हर महीने पर्याप्त रेलवे रैक उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे चावल के परिवहन में तेजी आएगी, गोदामों में नई फसल के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होगी और किसानों से धान खरीदी की प्रक्रिया और अधिक सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ को केंद्रीय पूल के लिए 73 लाख टन चावल उपलब्ध कराने का लक्ष्य मिला है।

ये वो बांग्लादेश नहीं, जिसके लिए दी लाखों शहादत - हसीना

नई दिल्ली। बांग्लादेश से निष्कासन के बाद पहली बार मीडिया के सामने आईं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी बात खुलकर रखी। इस दौरान वह इमोशनल हो गईं और अपने परिवार के सदस्यों को याद कर रोने लगीं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये वो बांग्लादेश नहीं है, जिसके लिए दी लाखों शहादत दी गई। उन्होंने कहा, 'आज मैं सिर्फ़ एक पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रपिता की बेटी के तौर पर बोल रही हूं।

5 साल के चढ़ावे का होगा ऑडिट, 9 गिरफ्तार, 46 कर्मचारी निलंबित

मुंबई । मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में कथित दान घोटाले को लेकर महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है। महाराष्ट्र सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मंदिर की दान पेटी में पिछले पांच वर्षों के दौरान जमा नकदी और चढ़ावे में मिले सोने-चांदी के आभूषणों का विशेष ऑडिट कराने का फैसला किया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पांच वर्षों के दान का ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि इस जांच के बाद घोटाले में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब राज ठाकरे ने दावा किया कि सिद्धिविनायक मंदिर की दान पेटी से हर साल करीब 18 करोड़ रुपये की हेराफेरी की जा रही थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की भेंट, छत्तीसगढ़ के विकास और 'बस्तर विजन' पर हुई विस्तृत चर्चा

शांति और विश्वास के साथ अब विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है बस्तर - मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प तथा राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष बदलते छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए राज्य की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप बस्तर आज व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा और विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करने वाला यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, बिजली, हवाई संपर्क, आजीविका, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य इस परिवर्तन को स्थायी बनाते हुए बस्तर को विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह जोड़ना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजनांदगांव में 10,500 करोड़ की यूरिया परियोजना के लिए शीघ्र मंजूरी का किया अनुरोध

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजनांदगांव में प्रस्तावित लगभग 10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा राज्य सरकार के स्तर की आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के स्थापित होने से छत्तीसगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता और बेहतर होगी। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक निवेश, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार तथा सहायक आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की स्थापना का किया अनुरोध

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की स्थापना के प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर और अन्य जनजातीय क्षेत्रों में आधुनिक वनस्पतियों एवं पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान की समृद्ध विरासत है। राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद संस्थान की स्थापना से चिकित्सा, अनुसंधान, शिक्षा और औषधीय वनस्पतियों पर आधारित स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नई संभावनाएं विकसित होंगी।

461 गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए मांगी विशेष सहायता

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर सहित संवेदनशील क्षेत्रों के ऐसे 461 गांवों का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जहां पूर्व में सुरक्षा एवं भौगोलिक कारणों से विद्युत ग्रिड पहुंचाना संभव नहीं हो पाया था और वर्तमान में ऑफ-ग्रिड माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने इन गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थायी विद्युत आपूर्ति से इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, आजीविका और लघु उद्यमों के विस्तार को गति मिलेगी तथा दूरस्थ अंचलों में विकास की प्रक्रिया और मजबूत होगी।

'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' में 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए बताया कि 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' के अंतर्गत अब तक 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है और आवश्यकता के अनुरूप उन्हें चिकित्सा सेवाओं से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि बस्तर में चिकित्सा अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ गोदम में मेडिकल कॉलेज के माध्यम से क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। राज्य सरकार नए मेडिकल कॉलेजों और आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

500 करोड़ की एआई मिशन को मंजूरी

कैबिनेट का फैसला, राज्य में लगेगा पहला बीईएमएल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के विकास, तकनीक, उद्योग, अधोसंरचना और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस मिशन के तहत - 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही कैबिनेट में राज्य के पहले बीईएमएल मैन्युफैक्चरिंग

प्लांट, पीडब्ल्यूडी के डिजिटल सिस्टम, ग्रामीण सड़क योजना, एडीबी अनुदान, स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) और सीएसपीजीसीएल के 200 करोड़ एसएसडी जैसे अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक, बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। कैबिनेट ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत बारहमासी सड़कों के निर्माण हेतु जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। संशोधनों के तहत ग्रामीण आंतरिक गलियों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा सड़क निर्माण से पूर्व मनरेगा से मिट्टी कार्य की अनिवार्यता समाप्त की गई है। योजना की पात्रता का दायरा बढ़ाकर ऐसे सभी ग्रामीण मार्गों को शामिल किया गया है, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा अन्य योजनाओं में सम्मिलित नहीं हैं।

युवा ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों से करें राष्ट्र निर्माण- राज्यपाल डेका

रायपुर / राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनकल्याण के लिए उपयोग में लाना है। एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने।

राज्यपाल श्री डेका आज रायगढ़ स्थित ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट तथा स्कूल ऑफ साइंस के 688 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 28 को रजत तथा 29 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदलती तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो ज्ञान के साथ संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता, अनुसंधान की प्रवृत्ति और सामाजिक सरोकारों को भी अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की सच्ची सार्थकता केवल उपाधि प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को समझदारी, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के साथ जीवन में उतारने में है। आपका ज्ञान तभी पूर्ण होगा, जब वह समाज और मानवता के कल्याण में उपयोगी बने। जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और संस्कारों के बल पर देश के विकास तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। समारोह में जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं सांसद श्री नवीन जिंदल, विश्वविद्यालय की चांसलर श्रीमती शालू जिंदल, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल, जिंदल स्टील रायगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री देबोज्योति रॉय, कुलपति डॉ.आर.डी. पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने स्वयं अतिथियों को भोजन परोसकर किया उनका सम्मान

बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है -राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

जगदलपुर। बस्तर की लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं और सामाजिक नेतृत्व की गौरवशाली विरासत ने आज राष्ट्रपति भवन में इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रपति भवन में आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं, परगना मांझी, मांझी, चालकों तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा में अत्यंत दुर्लभ और आत्मीय दृश्य तब देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर उनका सम्मान किया। राष्ट्रपति की इस सहज आत्मीयता ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावविभोर कर दिया।

प्रतिनिधिमंडल में उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर के पारंपरिक जनजातीय नेतृत्व के प्रतिनिधि, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकार, पद्मश्री सम्मानित विभूतियाँ, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था, मांझी-चालकी प्रणाली तथा बस्तर पंडुम के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कलाकारों और जनजातीय

प्रतिनिधियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की संस्कृतिक विरासत भारत की अमूल्य धरोहर है और उसका संरक्षण पूरे देश का दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भविष्य में बस्तर दशहरा एवं बस्तर पंडुम में सम्मिलित होने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय को विशेष रूप से स्पर्श करता है। राष्ट्रपति ने भगवान जगन्नाथ की काष्ठ निर्मित प्रतिमा तथा बस्तर दशहरा की अद्वितीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बस्तर दशहरा से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था सामाजिक एकता, सामुदायिक सहभागिता और सांस्कृतिक संरक्षण की सशक्त आधारशिला है।

बस्तर विकास और शांति की नई पहचान बन रहा है राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि सरकार के सतत प्रयासों और स्थानीय जनभागीदारी के परिणामस्वरूप बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शिक्षा, सड़क, बिजली, पेयजल तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर में आया यह सकारात्मक परिवर्तन पूरे देश के लिए प्रेरणा और गर्व का विषय है। उन्होंने मांझी एवं चालकी की भूमिका की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि वे समाज और प्रशासन के बीच प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करते हुए सामाजिक समरसता तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

बस्तर पंडुम ने संस्कृति को दिलाई नई पहचान

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने बस्तर की वास्तविक सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के कलाकार, शिल्पकार और युवा अपनी सांस्कृतिक अस्मिता को सुरक्षित रखते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में डेयरी एनालॉग (नकली पनीर) एवं भ्रामक दुग्ध-जैसे खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध प्रभावी

खाद्य कारोबार संचालकों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश, उल्लंघन पर होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई

थान खम्हरिया । उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य में डेयरी एनालॉग (नकली पनीर) तथा भ्रामक दुग्ध-जैसे खाद्य उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया है। शासन की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार यह प्रतिबंध पूरे राज्य सहित बेमेतरा जिले में भी प्रभावी हो गया है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत जारी इस आदेश का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रामक एवं अमानक खाद्य उत्पादों से सुरक्षित रखना तथा जनस्वास्थ्य की रक्षा करना है। शासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसे उत्पाद, जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा, वनस्पति तेल अथवा अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया जाता है और जिन्हें पनीर, क्रीम, मक्खन या अन्य दुग्ध उत्पादों के समान नाम, स्वरूप, पैकेजिंग अथवा प्रदर्शन के माध्यम से बेचा जाता है, अब प्रतिबंधित रहेंगे। यह प्रतिबंध विशेष रूप से उन खाद्य उत्पादों पर लागू होगा जो वास्तविक दुग्ध उत्पाद नहीं हैं, जिनमें दूध के स्थान पर गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया गया है अथवा जिनकी लेबलिंग, पैकेजिंग, प्रस्तुति या विक्रय की पद्धति उपभोक्ताओं को भ्रमित करती है। ऐसे उत्पादों का निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जिला प्रशासन ने बेमेतरा जिले के सभी खाद्य कारोबार संचालकों, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालकों, मिठाई प्रतिष्ठानों, डेयरी प्रतिष्ठानों तथा थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि वे प्रतिबंधित डेयरी एनालॉग अथवा भ्रामक दुग्ध-जैसे खाद्य उत्पादों का किसी भी रूप में निर्माण, भंडारण या विर₹ य न करें तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम एवं संबंधित नियमों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें। जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में विशेष निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यदि कोई प्रतिष्ठान प्रतिबंधित उत्पादों का निर्माण, भंडारण, परिवहन अथवा विक्रय करते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि किसी प्रतिष्ठान में नकली अथवा भ्रामक डेयरी उत्पादों का निर्माण या विक्रय किया जा रहा हो, तो इसकी सूचना तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय उत्पाद का लेबल, सामग्री (इंग्रीडिएंट्स), निर्माण संबंधी जानकारी एवं उत्पाद के वास्तविक स्वरूप की सावधानीपूर्वक जांच करें तथा केवल मानक, प्रमाणित एवं विधिसम्मत खाद्य उत्पादों का ही उपयोग करें। जागरूक उपभोक्ता ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

जिस जीव के जीवन में रस नहीं, उसका जीवन नीरस - सद्गुरु श्री संतोषी लाल पाराशर

थानखम्हरिया। श्री रामहर्षण कुंज, साजा में सावन मास के पावन अवसर पर आयोजित झूला झूलन बिहारी महोत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर सद्गुरूदेव श्री संतोषी लाल पाराशर ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसारिक प्राणियों को संसार के झूले का तो दर्शन होता है, लेकिन भगवान के झूले का दर्शन उसी को प्राप्त होता है जिस पर प्रभु की विशेष कृपा होती है। उन्होंने कहा कि जिस जीव के जीवन में रस नहीं, उसका जीवन नीरस है। ऐसा उदासीन जीवन व्यर्थ है। सद्गुरूदेव ने कहा कि जीव को वास्तविक सुख की अनुभूति रसमय एवं रसस्वरूप श्री सीताराम जी के आश्रय में ही प्राप्त होती है। झूलन उत्सव का यह दिव्य आनंद जीव को चौरासी लाख योनियों के नारकीय झूलन से बचाने वाला है। भक्तों को झूलन सुख प्रदान करने के लिए स्वयं युगल सरकार श्री सीताराम इस पावन धाम में विराजमान होकर अपनी अलौकिक माधुरी, लावण्य एवं अप्रतिम सौंदर्य से भक्तों को आनंदित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झूला झूलन बिहारी सरकार की मनोहारी छवि के दर्शन के लिए स्वयं सृष्टिकर्ता ब्रह्मा जी तथा संहारकर्ता भगवान शिव भी पृथ्वी लोक पर आते हैं। भगवान के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर भक्त भक्ति रस में सराबोर हो रहे हैं। कार्य₹ म में भजन-कीर्तन, आरती एवं झूला दर्शन का ₹ म देर तक चलता रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान के दर्शन किए और सद्गुरूदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगर देवांगन समाज के गठन को भंग किया गया

भाटापारा। तरेंगाराज देवांगन समाज के अध्यक्ष खेमलाल देवांगन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कुछ दिन पूर्व नगर देवांगन समाज भाटापारा का गठन सामाजिक नियमों के विरूद्ध तरेंगाराज देवांगन समाज के बिना अनुमति से गठन किया गया था। नगर देवांगन समाज के गठन से देवांगन समाज की एकता भंग होने के कारण तरेंगाराज देवांगन समाज के मुख्यालय श्रीराम जानकी मंदिर सिंगारपुर में देवांगन समाज की अर्धवार्षिक आम बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें तरेंगाराज देवांगन समाज के विभिन्न 30 ग्रामों से आये हुए समाज सदस्यों द्वारा एक राय व मत से व उपस्थित जन समूह ने नगर देवांगन समाज का गठन तरेंगाराज के बिना अनुमति के होने के कारण नगर देवांगन समाज को भंग करने का प्रस्ताव पारित कर नगर देवांगन समाज को भंग किया गया है। समाज के सदस्यों द्वारा यह भी कहा गया है कि नगर देवांगन समाज भाटापारा का गठन करना आवश्यक ही है, तो तरेंगाराज देवांगन समाज में अनुमति के लिए विधिवत आवेदन प्रस्तुत करें एवं तरेंगाराज देवांगन समाज की अनुमति मिलने पर ही नगर देवांगन समाज की गठन किया जाना विधिसम्मत व सामाजिक नियमानुसार माना जावेगा। साथ ही श्रीराम जानकी मंदिर जीर्णोद्धार, मां परमेश्वरी मंदिर रंग रोगन कराने, डोम का नया निर्माण करने सहित विभिन्न सामाजिक विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव पारित कर स्वीकृति प्रदान की गई है।

30 वर्षों बाद रोमानिया पहुंची भारतीय राष्ट्रपति, ऐतिहासिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने सांसद विजय बघेल

विदेश यात्रा से लौटने पर हजारों कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत, बोले– भारत के लिए व्यापार, निवेश, शिक्षा और रणनीतिक सहयोग के खुलेंगे नए द्वार

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विजय बघेल के महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में यूरोप के तीन देशों–मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया एवं रोमानिया–की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा से लौटने पर छत्तीसगढ़ आगमन पर उनका भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं समर्थक उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ सांसद का आत्मीय अभिनंदन किया।

एयरपोर्ट से सांसद श्री विजय बघेल के निवास तक निकाली गई स्वागत रैली का मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनके सम्मान में उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया।

सांसद निवास पर साजा विधायक श्री ईश्वर साहू, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, महापौर श्रीमती अल्का वाघमारे, श्री प्रीतपाल बेलचंदानी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कौशिक, श्री पुरुषोत्तम देवांगन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर तीन देशों की राजकीय यात्रा करना उनके सार्वजनिक जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा रणनीतिक सहयोग सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर उच्चस्तरीय चर्चा हुई, जिससे भारत और इन देशों के बीच संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कठिन समय में इन देशों ने भारतीय विद्यार्थियों, विशेषकर मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों की सहायता कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। यही आत्मीयता आज भारत और इन देशों के बीच मजबूत संबंधों की आधारशिला बन रही है। सांसद श्री विजय बघेल ने बताया कि यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक रही। लगभग 30 वर्षों बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति ने रोमानिया की राजकीय यात्रा की, जबकि मोल्दोवा की यात्रा करने वाली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने बताया कि लोकसभा से तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस यात्रा में शामिल था। प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा सहित अन्य प्रतिनिधि भी शामिल रहे। सांसद श्री विजय बघेल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस ऐतिहासिक विदेश यात्रा से भारत को व्यापार, निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिलेगा और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ होगी।

गणेश महोत्सव-2026 की तैयारियों का भूमि पूजन, सांसद विजय बघेल ने किया शुभारंभ

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव-2026 की तैयारियों का शुभारंभ सोमवार को मिनी स्टेडियम, पदमनाभपुर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

भूमि पूजन के पश्चात सांसद श्री बघेल ने महोत्सव स्थल का अवलोकन किया तथा पंडाल निर्माण में जुटे पश्चिम बंगाल से आए शिल्पकारों एवं कारीगरों से आत्मीय चर्चा कर उनके अनुभव और निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने कारीगरों की मेहनत एवं भारतीय पारंपरिक शिल्पकला की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कलाकार हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

सांसद श्री बघेल ने कहा कि गणेश महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता का भी महापर्व है। ऐसे आयोजन समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हैं तथा हमारी गौरवशाली भारतीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

समिति के अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष गणेश महोत्सव का मुख्य आकर्षण रामेश्वरम तीर्थ की भव्य प्रतिकृति होगी। विशाल पंडाल में रामेश्वर मंदिर, धनुषकोडी, रामसेतु, श्रीलंका द्वीप का प्रतीकात्मक स्वरूप, 22 पवित्र तीर्थ कुंड, अग्नि तीर्थ तथा विश्व प्रसिद्ध 1008 स्तंभों वाले मंदिर परिसर की आकर्षक झांकियां तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह आयोजन का दूसरा वर्ष है और इस बार श्रद्धालुओं को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अनुभव एक ही स्थान पर प्राप्त होगा। आगामी 14 सितंबर से गणेश चतुर्थी के अवसर पर महोत्सव का शुभारंभ होगा, जिसकी तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

भूमि पूजन समारोह में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी विश्वास चंद्राकर, एमआईसी सदस्य लिलेश अग्रवाल, पार्षद संजय अग्रवाल, लीलाधर पाल, र%ाकर राव, राजेश शर्मा, राजेंद्र सिंह भाटिया, पवन चंद्राकर, संतोष सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य, श्रद्धालु एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा भगवान श्री गणेश के जयघोष के साथ महोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ किया गया।

सशिमं में आचार्य आवर्ती वर्ग का आयोजन

शिक्षा के साथ संस्कार पर दिया गया विशेष जोर

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। सरस्वती शिक्षा संस्थान की योजना के अंतर्गत स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में शनिवार को आचार्य आवर्ती वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, व्यवस्थापक राकेश जोशी एवं प्राचार्य लखन लाल साहू ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल ने विद्यालय में अनुशासन, आचार्यों की नियमित उपस्थिति तथा कक्षा में भैया-बहनों के प्रति आत्मीय एवं मित्रवत व्यवहार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों की मानसिक स्थिति को समझना और उनकी समस्याओं का समाधान करना आचार्यों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आचार्य ही विद्यालय में बच्चों के अभिभावक होते हैं, इसलिए

उनके साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सभी आचार्यों से अपना सर्वोत्तम योगदान देने का आग्रह किया।

व्यवस्थापक राकेश जोशी ने विद्यार्थियों की पढ़ाई की सतत मॉनिटरिंग करने तथा प्रत्येक विद्यार्थी पर व्यक्तिगत ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विद्यालय की गुणवत्ता बढ़ाने और विभिन्न गतिविधियों में भैया-बहनों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुरेश सिंघानिया ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कार एवं शारीरिक विकास को भी समान महत्व देने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के लिए इन तीनों पक्षों का सुदृढ़ होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में शकुन साहू ने प्रार्थना अभ्यास कराया, जबकि मंजू ठाकुर ने अभिभावक संपर्क के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। हेमराज साहू ने वैदिक गणित का कालांश लिया तथा प्राचार्य लखन लाल साहू ने विद्यालय की वार्षिक योजना पर विस्तार से जानकारी दी। अंत में वेदप्रकाश जायसवाल ने सभी आचार्यों एवं दीदियों को शारीरिक अभ्यास कराया। आवर्ती वर्ग में विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदियों की सक्रिय सहभागिता रही।

श्रीरामहर्षण कुंज में सावन झूला उत्सव प्रारंभ, 9 अगस्त तक प्रतिदिन होगा आयोजन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खमरिया । समीपस्थ साजा स्थित श्रीरामहर्षण कुंज में 1 अगस्त से सावन झूला महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। यह धार्मिक आयोजन 9 अगस्त तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में आयोजित किया जाएगा।

महोत्सव के दौरान युगल सरकार भक्तों को दिव्य झूलन सुख प्रदान कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि उन्हें अयोध्या, मिथिला, चित्रकूट अथवा वृंदावन जाने के बजाय साजा में ही झूलन महोत्सव का आध्यात्मिक आनंद प्राप्त हो रहा है। झूलन बिहारी सरकार की मनमोहक छटा एवं अलौकिक श्रृंगार श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा है।

श्रीरामहर्षण कुंज के महंत श्रीवैष्णवदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन मंदिर पहुंचकर झूलन महोत्सव का लाभ लेने और भगवान के दर्शन कर पुण्य अर्जित करने का आग्रह किया है। महोत्सव के समापन अवसर पर 10 अगस्त को प्रातः 10 बजे भव्य फूल बंगला झांकी का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत दोपहर में झूलन उत्सव का विधिवत विश्राम होगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं धार्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है।

शनिवार साप्ताहिक रामायण का 50 वर्षों से सतत आयोजन, श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ कथा श्रवण

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खमरिया । नगर में पिछले 50 वर्षों से प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाली साप्ताहिक रामायण की परंपरा आज भी श्रद्धा और भक्ति के साथ निरंतर निभाई जा रही है। ब्रह्मलीन स्वामी अवधूतानंद जी महाराज की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह धार्मिक आयोजन नगरवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

इस सप्ताह शनिवार साप्ताहिक रामायण का आयोजन नगर पंचायत के एल्डरमैन अनिल सिंघानिया के वार्ड क्रमांक-4 स्थित निज निवास पर संपन्न हुआ। परंपरा के अनुसार यह आयोजन प्रत्येक शनिवार नगर के अलग-अलग घरों में क्रमवार आयोजित किया जाता है।

रामायण पाठ एवं कथा का सानिध्य आचार्य पंडित ओमप्रकाश जोशी, पंडित रामअवतार मिश्रा, पंडित रामेश्वर उपाध्याय तथा महंत बसंत बिहारी दास द्वारा प्राप्त हुआ। आयोजन में प्रतिदिन की भांति 10 से 15 नियमित श्रोताओं सहित लगभग 50 श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर श्रद्धापूर्वक रामकथा का श्रवण किया। कार्य₹ म में सामूहिक चौपाइयों का गान, भजन, कीर्तन एवं आरती भी संपन्न हुई।

सावन मास के पावन अवसर पर परम पूज्य सद्गुरुदेव पं. संतोषी लाल पाराशर की गरिमामयी उपस्थिति भी आयोजन की विशेष आकर्षण रही। कथा के दौरान किष्किंधा कांड का प्रसंग सुनाया गया, जिसमें भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी की भेंट, सुग्रीव से मित्रता, बाली वध तथा माता सीता की खोज की तैयारी का विस्तार से वर्णन किया गया। साथ ही भगवान श्रीराम द्वारा अत्याचारी बाली का वध कर सुग्रीव को किष्किंधा का राज्य तथा अंगद को युवराज बनाए जाने का प्रसंग भी सुनाया गया।

इस अवसर पर पं. संतोषी लाल पाराशर ने भगवान की भक्ति, समर्पण और सच्चे मित्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किष्किंधा कांड का श्रद्धापूर्वक पाठ करने से सच्चे मित्रों की प्राप्ति, संकटों का सामना करने की शक्ति तथा भक्ति भाव में वृद्धि होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसके नियमित पाठ से संपूर्ण रामचरितमानस के पाठ के समान पुण्यफल प्राप्त होता है।

कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने धर्म और संस्कृति की इस गौरवशाली परंपरा को निरंतर बनाए रखने का संकल्प लिया।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है।

बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आ₹ ामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है।

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

सशक्त बचपन, समृद्ध छत्तीसगढ़

पोषण पखवाड़ा में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर पहले स्थान पर

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर
उप, संचालक

बच्चों के पोषण, संरक्षण और सर्वांगीण विकास का नया अध्याय

किसी भी राज्य की वास्तविक प्रगति उसके बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से मापी जाती है। छत्तीसगढ़ ने इसी सोच को आधार बनाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी नीतियों और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सरि्‌य नेतृत्व में प्रदेश में बच्चों के पोषण, संरक्षण और भविष्य निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। आईसीडीएस, मिशन वात्सल्य, पोषण अभियान और बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी रि्‌यान्वयन ने राज्य को बाल विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है।

प्रदेश में 11 हजार 490 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम और आकर्षक बनाने का कार्य तेजी से जारी है। इन केंद्रों में बिल्डिंग एज़ लर्निंग एड पेंटिंग, पोषण वाटिका, खेल एवं शिक्षण आधारित गतिविधियों जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे बच्चे सीखने के साथ आनंदमय वातावरण में विकसित हो सकें। मनरेगा अभिसरण के माध्यम से 2 हजार 337 नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण को स्वीकृति मिली है। वहीं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 191 नए आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जा चुके हैं। नियद नेल्ला नार 2.0 के तहत 10 जिलों में 12 हजार 964 आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों तक सेवाएं पहुंचा रहे हैं।

मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की संख्या 51 हजार 45 से बढ़कर 52 हजार 258 तथा सहायिकाओं की संख्या 44 हजार 826 से बढ़कर 51 हजार 548 हो गई है, जिससे सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार आया है।

कुपोषण पर प्रभावी प्रहार

छत्तीसगढ़ राज्य में बच्चों में कुपोषण कम करने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों के अनुसार 0-5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में स्टंटिंग में 7.82 प्रतिशत की कमी, वेट में 4.36 प्रतिशत की कमी, अंडरवेट में 2.76 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दिसंबर 2023 में जहां बौनापन की दर 30.27 प्रतिशत थी, वह जून 2026 तक घटकर 22.45 प्रतिशत रह गई। यह उपलब्धि पोषण प्रबंधन, नियमित मॉनिटरिंग, सामुदायिक सहभागिता और आंगनबाड़ी आधारित सेवाओं के प्रभावी संचालन का परिणाम है।

पोषण अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान छत्तीसगढ़ ने देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ राज्य प्रति आंगनबाड़ी गतिविधियों में प्रथम स्थान पर रहा। अप्रैल 2025 के पोषण पखवाड़ा में भी छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रदेश में सितंबर-अक्टूबर 2025 के पोषण माह के दौरान 71 हजार 887 गतिविधियां और अप्रैल 2026 के पोषण पखवाड़ा में 34 लाख 93 हजार 474 गतिविधियां आयोजित की गईं। साथ ही स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए रेडी टू ईट इकाइयों की स्थापना की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल शुरू हो चुकी है।

मिशन वात्सल्य से बच्चों को सुरक्षा और संबल

अनाथ, परित्यक्त और विशेष संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य प्रभावी सुरक्षा कवच बनकर उभरा है। राज्य में बाल देखरेख संस्थाओं की संख्या बढ़कर 109 हो गई है। मुख्यमंत्री बाल उदय योजना के माध्यम से सैकड़ों बच्चों को शिक्षा, देखभाल और पुनर्वास का लाभ मिला है। चाइल्ड हेल्पलाइन में प्राप्त 1 लाख 65 हजार 979 कॉलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हजारों मामलों का निराकरण किया गया।

बाल संरक्षण सेवाओं के विस्तार का प्रभाव दत्तक ग्रहण और स्पॉन्सरशिप योजनाओं में भी स्पष्ट दिखाई देता है। दत्तक ग्रहण से लाभान्वित बच्चे 42 से बढ़कर 234 और स्पॉन्सरशिप से लाभान्वित बच्चे 767 से बढ़कर 2 हजार 37 हो गए हैं। यह वृद्धि बच्चों को पारिवारिक वातावरण और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की ओर मजबूत कदम

राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान ने सामाजिक जागरूकता और प्रशासनिक सरि्‌यता दोनों को नई दिशा दी है। बाल

विवाह प्रतिरोध अधिकारियों की संख्या बढ़कर 1 हजार 382 हो गई है। इसके परिणामस्वरूप रोके गए बाल विवाहों की संख्या 109 से बढ़कर 888 तक पहुंच गई है। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि बेटियों के शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का संकेत है।

भविष्य की मजबूत नींव

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में संचालित ये प्रयास छत्तीसगढ़ के लाखों बच्चों को स्वस्थ, सुरक्षा, शिक्षित और सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

आधुनिक आंगनबाड़ी व्यवस्था, पोषण सुधार, बाल संरक्षण सेवाओं का विस्तार और बाल विवाह उन्मूलन जैसे बहुआयामी प्रयासों ने छत्तीसगढ़ को बाल विकास के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी और आदर्श राज्य के रूप में स्थापित किया है।

सशक्त बचपन ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है और राज्य सरकार उसी नींव को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है।

एनडीए सांसदों के सत्रीय 'मंगल मिलन' के सियासी मायने

भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के 'मंगल मिलन' की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यर्‌म संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है।

केंद्र में पिछले 12 वर्षों से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) सरकार इन दिनों पुनः उस एकजुट विपक्ष के निशाने पर है, जिसे वह अबतक चुनावी सियासी पाट पर पछाड़ते आई है। लेकिन जिस तरह से बहुरूपिया विपक्ष कभी मुसलमानों के छद्म वेश में, कभी किसानों के रूप में और कभी छात्रों के छद्म वेश में जिस तरह से मोदी सरकार को घेरने पर तुला हुआ है, उसके पीछे विदेशी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। फिर भी सरकार सबसे जूझ रही है!

हाल ही में छात्र आंदोलन की कथित सफलता से घबराई सरकार ने जिस तरह से अपने ओबीसी रणनीतिकार शिक्षा मंत्री की राजनीतिक बलि चढ़ाई है, और इससे उत्साहित कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके ने जिस घमंड का प्रदर्शन किया, उससे विपक्ष उत्साहित है। यही वजह है कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया जाने लगा है। विधान शाखा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का अतीत और खुद देश का भविष्य करार दिया है, उसके मुताल्लिक इतना ही इशारा करना काफी होगा कि भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने देश का भविष्य तय कर दिया है और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आगे करके एक तीर से कई शिकार करने की योजना बनाई है, क्योंकि भाजपा की ओबीसी राजनीति में श्री चौधरी अपने नैसर्गिक सियासी गुणों के चलते फिट बैठते हैं। ये अभी अंदरखाने की बात है, लेकिन राहुल गांधी को आगाह करने के लिए मैंने इस सच्चाई को डिस्क्लोज कर दिया है, जो हिंदी पट्टी के मिजाज पर फिट बैठता है।

शायद यही वजह है कि भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के "मंगल मिलन" की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यक्रम संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है। हालिया एनडीए संसदीय दल की "मंगल मिलन" बैठक गत 28 जुलाई 2026 (मंगलवार) को, संसद के मानसून सत्र के दौरान हुई।

यह "मंगल मिलन" नाम से आयोजित होने वाली नियमित मंगलवार की संसदीय दल की बैठक थी। जो नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में संपन्न हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, संसदीय कार्य मंत्री तथा एनडीए के अनेक सांसद और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

इसमें एनडीए के सभी प्रमुख घटक दलों के सांसद शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) तेलगु देशम पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा अपना दल (सोनेलाल) अन्य एनडीए सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। खास बात यह कि पहली बार नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के सांसद भी बैठक में शामिल हुए, क्योंकि पार्टी को हाल में एनडीए का सहयोगी बनाया गया है। इस बैठक की सबसे चर्चित बात NCPI सांसदों की पहली भागीदारी रही, जिसे एनडीए के विस्तार और संसद में संख्या एवं राजनीतिक समन्वय को मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा गया।

- कमलेश पांडे

विश्वसनीय संकेत अभी नहीं

क्या नए बिल और निलेकणी समिति के गठन से समस्याएं दूर हो जाएंगी? संभवतः नहीं, क्योंकि वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसके कुछ कारण नीतिगत हैं, तो कुछ सिस्टम में अंदर तक पहुंचा कथित भ्रष्टाचार। नरेंद्र मोदी सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों का तकनीकी समाधान पेश करने की कोशिश की है। इसके अलावा कानूनी उपाय के जरिए अपने सख्त इरादे का संदेश देने का प्रयास उसने किया है। मगर अंदाज वही पुराना हैः मीडिया में मोटी सुर्खियां बनाने वाली घोषणाएं करना, जिससे लोग मानने लगें कि सरकार सब कुछ दुरुस्त करने के लिए सचमुच दृढ़-संकल्प है! इस साल नीट पेपर लीक होने के बाद ऐसी ही धारणा बनाने के लिए निर्णय लिया गया था कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र वायु सेना के विमान से भेजे जाएंगे! उसी राह पर चलते हुए अब केंद्र ने पेपर लीक से संबंधित कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाने का बिल पेश किया है। मगर सख्त कानून, अत्यधिक कड़ी सज़ा के प्रावधान, और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी बातें विभिन्न मामलों में इतनी बेअसर साबित हुई हैं कि उनसे युवा वर्ग को संतुष्ट करना अब कठिन हो सकता है। परीक्षा तंत्र को तकनीकी रूप से दुरुस्त करने के उपाय सुझाने के लिए नंदन निलेकणी की अध्यक्षता में बनी समिति उपजी शिकायतों को दूर कर पाएगी, इसकी संभावना भी कम ही है। इसलिए कि पेपर लीक या शिक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों की वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं।

सरकार ने राष्ट्रगीत को सम्मान देने के लिए कानून बनाकर सराहनीय पहल की

हमारा राष्ट्र गान क्यों उपेक्षित रहा

आखिरकार राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को कानूनी संरक्षण देते हुए संसद में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम विधेयक 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। एक लंबे समय से राष्ट्र गीत की अवमानना की जा रही थी उसे देखते हुए कानून बनाया जाना जरूरी हो गया था। राष्ट्रगीत को प्रति अनादर करने वाले दंडनीय अपराध के दायरे में आएंगे। राष्ट्रगीत का अपमान करने वालों को तीन वर्ष की जेल व जुर्माना दोनों का प्रावधान किया गया है।

राष्ट्रकी अस्मिता को ठेस पहुँचाते हुए राष्ट्रगीत की अवहेलना की जा रही थी उसे सम्मान देते हुए लिए सरकार की पहल सराहनीय है।.

वन्दे मातरम की शुरूआत अंग्रेजों के खिलाफ जन विद्रोह से हुई थी। जो स्वतंत्र भारत का राष्ट्रगीत बना।

वंदे मातरम् भारत भूमि को मातृ स्वरूप मान उसका जयगान करते हुए शक्ति स्वरूपा देवी दुर्गा की स्तुति करता है। यह भारत की सांस्कृतिक परंपरा है कि ऐसे सदभाव देश के राष्ट्रगीत और राष्ट्रीय गान में समाहित है। आजादी के सात दशक बाद भी राष्ट्रगीत वंदे मातरम को लेकर विरोध करना राष्ट्रीय भावना से खिलवाड़ किया जा रहा था। देश की अखंडता, अस्मिता को तार-तार करने का कुच₹ चलाने वाले मुट्ठी भर लोग आज भी देश की जनता को गुमराह करने में लगे हैं। दुनिया के किसी भी देश के राष्ट्रगीत का विरोध संभव नहीं है और भारत में ऐसा विरोध संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी की परिधि बना हुआ था। हमारे राष्ट्र गान जन गण मन.. जैसा कानूनी संरक्षण राष्ट्रगीत को नहीं दिया गया।

हमारा राष्ट्र गीत देश के पहले जनविद्रोह के इतिहास को समेटे हुए है।

वंदे मातरम् ही स्वतंत्रता संग्राम का गीत बना था। तब अंग्रेजों ने इसे विद्रोही गीत मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया था।

बंगाल में विलियम फोर्ट सत्ता मुख्यालय बन चुका था। हैरी वैरेल्स्ट गवर्नर बना। हैरी ने तीर्थो में संन्यासियों के शस्त्र लेकर चलने पर और नागा संन्यासियों के नागा घूमने पर प्रतिबंध लगा दिया। और फिर आया दूसरा कार्यवाह गवर्नर जान कर्टियर। इसी के साथ बंगाल अकाल की गिरफ्त में आ गया। कर्टियर ने राहत देने के बजाय कृषि पर लगान बढ़ा दिया। भिक्षाटन कर अपना पेट भरने वाले गिरि सम्प्रदाय के साथ ही भिक्षा लेने देने पर प्रतिबंध लगा दिया।

अकाल गहराता गया लोग व्याकुल हो उठे थे। ऐसी भीषण स्थिति को देखते हुए शंकराचार्यों ने अंग्रेजों के काले कानूनों का विरोध किया।

1770 के मध्य में अकाल से जनता

त्राहि- त्राहि कर उठी। अंग्रेजों के साथ धन्ना सेठों ने अनाज भंडारण कर लिये। इनकी जमाखोरी के कारण संकट और गहरा गया।

जनता भूख से मरने लगी थी। और शंकराचार्य के सशस्त्र अखाड़ों ने अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। गिरि नागा सहित अन्य अखाड़ों ने सरकारी ठिकानों पर गुरिल्ला छापामार शुरू किया। छापामारी में अनाज और धन लूट कर जनता को बांटने लगे। अकाल साल दर साल बढता गया और सन्यासियों का लूटना जारी रहा। तब का बंगाल आज के बिहार झारखंड, ओडिसा तक फैला था। 1769 से 1773 तक बंगाल भयानक अकाल से जूझता रहा। सन्यासियों के खिलाफ गवर्नर जान कार्टियर ने फौज उतर दी। अन्न भंडारों को लूट रहे संन्यासियों को मारा काटा जाने लगा। राजा फतेह बहादुर अपने बचे खुचे सैनिकों के साथ संन्यासियों के समर्थन में उतर आये। अंग्रेजों के खिलाफ बग़ावत कर किसान, शिल्पकार, पूर्व रियासतों के सैनिक, भूमिहीन मजदूर सभी संन्यासियों अखाड़ों की शरण में जा खड़े हुए। सभी सन्यासी बन अखाड़ों की ओर से युद्ध के मैदान में उतर पड़े।

बंगाल के साहूकार, जमाखोर अंग्रेजों की शरण में जा पहुंचे। जो अंग्रेजों को रसद से मदद देने लगे। यह देख सन्यासियों ने सरकारी भंडारों के साथ ही साहूकारों, जमाखोरों की कोठियों पर भी हमले शुरू कर दिये।

1772 में गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स फिर कलकत्ता आ गया। हेस्टिंग्स ने विद्रोही सन्यासियों को कुचलने के लिये पूरी फौज मैदान में उतार दी। पुरी के शंकराचार्य पर पहरा लगा दिया गया। छापामार सन्यासियों को पकड़ कर उन्हें फांसी पर लटकाया जाने लगा।

अंग्रेजों के खिलाफ पहला भारतीय विद्रोह जो 'संन्यासी विद्रोह' के नाम से इतिहास में दर्ज है ।

अकाल से जनता को बचाने संन्यासी जब छापा मारने जाते हुए नारा लगाते थे,

"माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः"

ऋग्वेद की संस्कृत ऋचा को नये नये सन्यासी बने किसान मजदूर उच्चारित नहीं कर पा रहे थे तब उन्होंने अपनी लोकभाषा में कहा,

"वन्दहूँ मात भवानी..."

1773 के संन्यासी विद्रोह के 109 साल बाद संन्यासियों के इस उदधोष को लेकर बंकिम चन्द्र चटर्जी ने वंदे मातरम् गीत लिखा। गीत की रचना के सात साल बाद संन्यासी विद्रोह पर एक उपन्यास लिखा। 'आनन्दमठ' में संन्यासी विद्रोह के साथ विदेशी आक्रान्ताओं मुस्लिम शासकों खिलाफ विद्रोही स्वर का आगाज़ है। आनंदमठ में वन्दे मातरम भवानन्द नाम का एक संन्यासी मातृभूमि की दुर्गा के रूप में स्तुति करते हुए गाता है।

"वन्दे मातरम् सुजलां सुफलाम्
मलयजशीतलाम् शस्यश्यामलाम् मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीम् सुहासिनीं
सुमधुर भाषिणीम् सुखदां वरदां मातरम्॥
सप्तकोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-
कराले द्विस-कोटि-
भुजैर्धृत-
खरकरवाले, अबला केन मा एत बले।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्॥
तुमि विद्या, तुमि धर्म तुमि हृदि, तुमि मर्म त्वम् हि प्राणा- शरीरे बाहुते तुमि मा शक्ति, हृदये तुमि मा भक्ति, तोमारई प्रतिमा गडी मन्दिरे-मन्दिरे॥ त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी कमला कमलदलविहारिणी वाणी विद्यादायिनी,
नमामि त्वाम् नमामि कमलाम् अमलां
अतुलाम् सुजलां सुफलाम् मातरम्॥
वन्दे मातरम् श्यामलाम् सरलाम्
सुस्मिताम् भूषिताम् धरणीं भरणीं मातरम्॥"

राष्ट्रगीत वंदे मातरम का भावार्थ इस प्रकार है,

' हे! धरती माता, मैं आपको प्रणाम करता हूं, यहां स्वच्छ जल वाली नदियां बहती हैं ,यह फलदार वृक्षों से युक्त है, यहां शीतल चंदन युक्त हवाएं चलती है और यहां की धरती माता को मैं प्रणाम करता हूं। यहां रात्रि में श्वेत चांदनी छिटक कर पुलकित होती हैं, अर्थात जिस चांदनी की उपस्थिति में यहां रहने वाले पुलकित होते हैं। यहां खिले हुए पुष्प और घने पत्ते वाले वृक्ष शोभायमान होते हैं। यह सुंदर हंसी युक्त मधुर वाणी बोलने वाली है। सदैव सुख देने वाली और वर देने वाली माता मैं आपको प्रणाम करता हूं। शक्ति, विद्या, धर्म,की देवी दुर्गा रूपा के रूप में हमारी पूजनीय है।

हमारा राष्ट्रगान इन्हीं भावों को लिए हमें सतत् प्रेरित करता है। अपनी मातृभूमि के प्रति कृतज्ञ होते हुए शान से राष्ट्रगान को गायें। भारत भूमि के हर जन में वही जोश भर दें जो आजादी के गीत गाते हुए जिन्होंने भारत भूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। आजादी के सात दशक तक राष्ट्र गीत की अवहेलना की जाती रही। सरकार ने राष्ट्रगीत को सम्मान देने के लिए कानून बनाकर सराहनीय पहल की।

- रविन्द्र गिन्नौरे

जिले के प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने की जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

नगर निवेश कार्यालय की सुविधाएं गरियाबंद में उपलब्ध हो - विधायक रोहित साहू

नरेन्द्र कुमार सेन

गरियाबंद/ प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग का समीक्षा करते हुए कहा कि खाता विभाजन, नामांतरण, सीमांकन, बंदोबस्त त्रुटि सुधार, न्यायालयीन प्रकरण एवं डायवर्सन संबंधी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित एनओसी प्रकरणों का भी समयबद्ध निराकरण करने तथा अनावश्यक विलंब नहीं होने देने के सख्त निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक श्री वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी श्री शशिगानंदन के, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री बघेल ने ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, भूमिहीन परिवारों को स्वीकृत आवासों की प्रगति पर नियमित निगरानी रखने तथा व्यक्तिगत शौचालयों का शत-प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष बल देते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। जहॉं विभागीय अधिकारी बैंक एवं उनके मंशा अनुरूप आजीविका कार्यों को फार्म भराकर उन्हें आजीविका उपलब्ध कराने के लिए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकरियों को निर्देशित किया कि जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर किसी भी प्रकार के शासकिय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, तो जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से बताएं। साथ ही विभागीय सामग्रियों का वितरण भी जनप्रतिनिधियों को कराएं।

उन्होंने आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने, हस्तशिल्प, मसाला प्रसंस्करण, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन तथा अन्य स्वरोजगार गतिविधियों का

> पीएम आवास में अवैध वसूली करने वाले पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश
>
> अवैध रेत उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन पर सख्त के साथ कार्यवाही करें – मंत्री श्री बघेल
>
> राजस्व प्रकरणों का समय सीमा के भीतर नियमित निराकरण करने के दिए निर्देश

विस्तार एवं उनके लिए बाजार उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेत, मुरुम, पत्थर सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध कारोबार पर सख्ती से नियंत्रण रखने तथा नियमित जांच एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के निर्माणाधीन सड़क, भवन तथा अन्य अधोसंरचना कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राजिम विधायक श्री रोहित साहू ने कहा कि जिले में नगर निवेश के कार्यों के लिए रायपुर नगर निवेश कार्यालय अनुमति के लिए जाना पड़ता है। इसके लिए उन्होंने जिला मुख्यालय में ही नगर निवेश कार्यालय खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे नगरीय निकाय के लोगों को काफी राहत एवं सुविधाएं मिलेगी। इस दौरान उन्होंने राजस्व, आवास और सड़क निर्माण जैसे कार्यों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों के छोटे-छोटे काम भी समय पर पूरे हों, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करें। सभी विभाग निर्धारित समय में अपने कार्यों को करें। उन्होंने अधिकारियों से नियमित मॉनिटरिंग करने और लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, जिला पंचायत सदस्य नंदनी साहू, वरिष्ठ नागरिक अनिल चंद्राकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वेदांता एल्युमिनियम का मुनाफा 205 प्रतिशत बढ़कर 6,597 करोड़, एबिटडा 134% बढ़कर 10,499 करोड़

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (बीएसई 544780 और एनएसई वीएएमएल) ने 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा की। एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में अपनी पहली तिमाही में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी के बोर्ड ने 8 प्रति शेयर के पहले अंतरिम लाभांश को भी मंजूरी दी है।

कंपनी की आय बढ़कर अब तक के सबसे अधिक 21,105 करोड़ हो गई, जो पिछली तिमाही की तुलना में 13 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ोतरी बिक्री की मात्रा और बेहतर कीमत मिलने के कारण हुई। कंपनी का एबिटडा बढ़कर रिकॉर्ड 10,499 करोड़ हो गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में 24 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 134 प्रतिशत अधिक है। लागत पर बेहतर नियंत्रण के कारण कंपनी का एबिटडा मार्जिन भी बढ़कर अब तक के सबसे अधिक 50 प्रतिशत पर पहुंच गया।

कंपनी का मुनाफा 6,597 करोड़ रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 33 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी के मजबूत परिचालन प्रदर्शन को दर्शाता है। कंपनी ने कर्ज कम करके अपनी वित्तीय स्थिति को और मजबूत किया है। नेट डेट-टू-एबिटडा अनुपात वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 1.3 गुना से सुधरकर 0.9 गुना हो गया। लगातार अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए, क्रिसिल और आईसीआरए दोनों ने वेदांता एल्युमिनियम की क्रेडिट रेटिंग बढ़ाकर एए प्लस (स्टेबल) कर दी है।

कंपनी का एल्युमिनियम उत्पादन बढ़कर अब तक के सबसे अधिक 632 किलो टन रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 3 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स (वीएपी) का उत्पादन भी बढ़कर अब तक के सबसे अधिक 389 किलो टन हो गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में 4 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का एल्युमिना उत्पादन 826 किलो टन रहा, जो रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और संयंत्रों के बेहतर उपयोग के कारण पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

भारत की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी के रूप में, वेदांता एल्युमिनियम दुनिया के सबसे मजबूत और प्रतिस्पर्धी, पूरी तरह से एकीकृत एल्युमिनियम कारोबारों में से एक बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए कंपनी कच्चे माल की नियमित और सुरक्षित उपलब्धता को लगातार मजबूत कर रही है।

कंपनी के पहली तिमाही के प्रदर्शन पर बात करते हुए, वेदांता एल्युमिनियम के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ श्री राजेश कुमार ने कहा, "एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में हमने इस तिमाही में मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन के साथ अपनी नई शुरुआत की है। यह हमारे मजबूत कामकाज, योजनाओं को सही तरीके से लागू करने और भविष्य की सोच का परिणाम है। बदलते वैश्विक माहौल में कच्चे माल की सुरक्षित उपलब्धता, कामकाज को बेहतर बनाने और अधिक मूल्य वाले उत्पादों पर हमारा ध्यान हमारी प्रतिस्पर्धी स्थिति को मजबूत कर रहा है। इससे हमें लगातार और लंबे समय तक विकास करने में भी मदद मिल रही है। इन प्रयासों के जरिए हम भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार एक मजबूत कंपनी बना रहे हैं। साथ ही, हम अपने सभी हितधारकों के लिए लंबे समय तक बेहतर मूल्य बनाने, लागत को कम रखने और वैश्विक स्तर पर एक मजबूत एल्युमिनियम कारोबार तैयार करने की दिशा में काम कर रहे हैं।"

वेदांता एल्युमिनियम के मुख्य वित्त अधिकारी श्री अनुप अग्रवाल ने कहा, "एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में हमारी पहली तिमाही की शुरुआत मजबूत रही। कंपनी ने ?21,105 करोड़ की रिकॉर्ड आय, ?10,499 करोड़ का एबिटडा और ?6,597 करोड़ का पीएटी दर्ज किया। हम मजबूत वित्तीय स्थिति, बेहतर बैलेंस शीट और बेहतर ₹`डिट रेटिंग के साथ इस नए चरण में आगे बढ़ रहे हैं। इससे हमें अपनी रणनीतिक विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा। दुनिया की प्रमुख एल्युमिनियम उत्पादक कंपनियों में से एक के रूप में, हम अपनी एकीकृत उत्पादन श्रृंखला और लगातार बढ़ते वैल्यू-एडेड उत्पादों के माध्यम से भारत और वैश्विक बाजारों में ऊर्जा बदलाव, बुनियादी ढांचे, परिवहन, पैकेजिंग और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं।"

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में ईएसजी की प्रमुख उपलब्धियां

- **समुदायों का विकास 7 सामाजिक पहल-** वेदांता एल्युमिनियम ने जरूरत के अनुसार किए गए सीएसआर कार्य₹ मों के माध्यम से लगभग 4 लाख लोगों तक मदद पहुंचाई। कौशल विकास पहलों के जरिए 72,000 लोगों को सशक्त बनाया और विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्य₹ मों के माध्यम से 27 लाख महिलाओं और बच्चों को सहयोग दिया।
- **पर्यावरण के लिए पहल 7 प्रमुख उपलब्धियां-**
- **स्वच्छ ऊर्जा** वेदांता एल्युमिनियम द्वारा इस्तेमाल की गई नवीकरणीय ऊर्जा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत बढ़कर 70.1 करोड़ यूनिट हो गई। इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने के प्रयासों को मदद मिली। नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग और ऊर्जा बचाने के उपायों से कंपनी के ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में पिछले साल की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत की कमी आई। यह वित्त वर्ष 2021 की तुलना में 11.6 प्रतिशत कम है।
- **जल संरक्षण-** कंपनी ने लगभग 49 लाख घन मीटर पानी का दोबारा उपयोग किया। साथ ही, पानी को फिर से इस्तेमाल करने, उसे दोबारा उपयोग में लाने और अन्य जल स्रोतों का उपयोग करके ताजे पानी की खपत कम की।
- **कचरे से उपयोगी संसाधन-** कंपनी ने 120 प्रतिशत फ्लाई ऐश का उपयोग किया, जिसमें पहले से जमा फ्लाई ऐश भी शामिल है। साथ ही, रेड-टू-ग्रीन पहल के तहत रेड मड का दोबारा उपयोग बढ़ाया।
- **जैव विविधता संरक्षण-** कंपनी ने स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाने और खदान क्षेत्रों को फिर से बेहतर बनाने पर ध्यान देते हुए जैव विविधता से जुड़ी अपनी पहलें आगे बढ़ाईं। अब तक कंपनी ने कुल 29 लाख पेड़ लगाए हैं।
- **कार्यस्थल को बेहतर बनाना 7 कर्मचारियों से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियां-** वेदांता एल्युमिनियम ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान कार्यस्थल पर सुरक्षा को और मजबूत किया। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही की तुलना में कंपनी के सुरक्षा प्रदर्शन में सुधार हुआ। इस दौरान काम के दौरान होने वाली ऐसी चोटों की संख्या में कमी आई, जिनके कारण कर्मचारियों को काम से छुट्टी लेनी पड़ी। साथ ही, ऐसी चोटों की दर में भी सुधार हुआ।

कंपनी ने वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यस्थलों पर अधिक दौरे, नियमित सुरक्षा चर्चा, महत्वपूर्ण जोखिमों के प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्था और हर कार्यस्थल की जरूरत के अनुसार किए गए उपायों के माध्यम से कार्यस्थल की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। कंपनी ने कार्यस्थल पर सभी के लिए बेहतर अवसर बढ़ाने के लिए 21 प्रतिशत लैंगिक विविधता बनाए रखी और एलजीबीटीक्यू प्लस कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर 35 से अधिक की। इससे कार्यस्थल को अधिक समावेशी और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार बनाने में मदद मिली।

संक्षिप्त समाचार

साजा के प्रतिष्ठित व्यवसायी कैलाशचंद चांडक का रेल हादसे में निधन, नगर में शोक व्याप्त

थानखम्हरिया । साजा नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं बाबा रामदेव राइस मिल के संचालक कैलाशचंद चांडक का 4 अगस्त 2026 को सुबह लगभग 6:30 बजे गुजरात के भरूच में एक रेल हादसे में आकस्मिक एवं दु:खद निधन हो गया। वे धार्मिक यात्रा पर द्वारकाधीश के दर्शन के लिए जा रहे थे। उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। कैलाशचंद चांडक हैदराबाद निवासी हरिप्रसाद चांडक के भतीजे थे। वे स्वर्गीय बल्लभदास, गोपालदास, द्वारकादास, शांतिलाल एवं लक्ष्मीनारायण चांडक के छोटे भाई तथा सुरेश चांडक के बड़े भाई थे। वे डॉ. मानसी चांडक के पूज्य पिता भी थे। इसके अलावा कमलेश, जेठमल, सुभाष (पोकरण), विजय, विक्की, गणेश, अमित, मोहित, निखिल एवं कृष्णा के चाचा, श्रीमती संतोषी टावरी (गुरुर) के भाई तथा गोविंद मालानी (राजनांदगांव) के जीजाजी थे। वे अत्यंत मिलनसार एवं सरल व्यक्तित्व के धनी थे। समाज और नगर के लोगों से उनका आत्मीय संबंध था। उनके निधन से माहेश्वरी समाज सहित नगर के व्यापारिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में गहरा शोक व्याप्त है।

माहेश्वरी पंचायत साजा ने दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

दिवंगत कैलाशचंद चांडक की अंतिम यात्रा 5 अगस्त 2026 को उनके निवास स्थान से निकाली जाएगी। उनके आकस्मिक निधन से पूरे नगर में शोक का माहौल है।

नहर में औद्योगिक अपशिष्ट जल छोड़ने की शिकायत पर पर्यावरण मंडल की कार्रवाई

यूनिवर्सल हैचरी और गणपति राइस मिल को नोटिस जारी, सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश

बेमेतरा । बेमेतरा जिले के बेरला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खर्रा के सरपंच एवं ग्रामीणों द्वारा यूनिवर्सल हैचरी प्राइवेट लिमिटेड तथा गणपति राइस मिल, कुसमी के विरुद्ध औद्योगिक अपशिष्ट एवं प्रदूषण संबंधी शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय भिलाई ने दोनों इकाइयों के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। पर्यावरण मंडल ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत दोनों संस्थानों को नोटिस जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया था कि यूनिवर्सल पोल्ट्री फार्म एवं गणपति राइस मिल द्वारा बिना समुचित उपचार (ट्रीटमेंट) के दूषित एवं बदबूदार अपशिष्ट जल को खर्री वितरक नहर में छोड़ा जा रहा है। इससे नहर, तालाब, कृषि भूमि तथा आसपास के भू-जल स्रोतों के प्रदूषित होने की आशंका है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी संबंधित विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया था, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। शिकायत प्राप्त होने के बाद 3 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने दोनों इकाइयों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गणपति राइस मिल में बिना उपचार के औद्योगिक अपशिष्ट जल को परिसर से बाहर छोड़कर खर्री नहर तक पहुंचते हुए पाया गया। साथ ही इकाई में पर्याप्त एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ETP) स्थापित नहीं होने, ठोस अपशिष्ट के अनुचित निपटान तथा परिसर की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने का उल्लेख नोटिस में किया गया है।

वहीं यूनिवर्सल हैचरी प्राइवेट लिमिटेड के निरीक्षण में पोल्ट्री लिटर के वर्षा जल के साथ परिसर से बाहर बहने, ठोस अपशिष्ट के अनुचित निपटान तथा परिसर की साफ-सफाई में कमियां पाए जाने की बात कही गई है। पर्यावरण मंडल ने इसे पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों का उल्लंघन मानते हुए सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पर्यावरण संरक्षण मंडल ने गणपति राइस मिल को तत्काल उद्योग बंद करने, विद्युत आपूर्ति विच्छेदित करने, वैध पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त किए बिना संचालन पुनः प्रारंभ नहीं करने, अपशिष्ट जल का बहाव तत्काल रोकने तथा कारण बताओ जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं यूनिवर्सल हैचरी को भी कमियों का तत्काल निराकरण करने, परिसर से अपशिष्ट का बहाव रोकने तथा पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाए जाने के संबंध में कारण बताओ जवाब प्रस्तुत करने के लिए 15 दिवस का समय दिया गया है। ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य की दृष्टि से मामले में शीघ्र प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के जल स्रोतों, कृषि भूमि और पर्यावरण को होने वाले संभावित नुकसान को रोका जा सके।

लगातार बारिश और भारी उमस से जनता बेहाल

भाटापारा। नगर में में इस समय मौसम का मिजाज काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। मानसून की सक्रियता के कारण क्षेत्र में लगातार मानसूनी गतिविधियां जारी हैं। 100% नमी और उमस की मार क्षेत्र का अधिकतम तापमान भले ही 29 डिग्री सेल्सियस से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है लेकिन हवा में आर्द्रता का स्तर 95% से 100% के करीब पहुंच गया है। बारिश रुकने के तुरंत बाद तेज धूप निकलने से उमस अत्यधिक बढ़ जा रही है, जिससे लोग पसीने से तर-बतर हो रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों पूरे क्षेत्र में घने बादल छाए हुए हैं। रूक-रूक कर हो रही तेज बौछारों और गरज-चमक के कारण तापमान में भारी गिरावट तो नहीं आई है, लेकिन उमस भरी गर्मी ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी है। इस मानसूनी बारिश से क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिले हुए हैं क्योंकि धान की फसल के लिए यह पानी बेहद जरूरी है। हालांकि, उमस और लगातार रिमझिम बारिश के चलते बाजारों में आम दिनों की तुलना में आवाजाही थोड़ी कम देखी जा रही है।

सीएम हेल्पलाइन बनी आमजन के भरोसे का माध्यम, समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधी चारों शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, हितग्राहियों ने राज्य सरकार के प्रति जताया आभार

बेमेतरा। राज्य सरकार द्वारा संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। शासन की मंशा के अनुरूप विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है, जिससे आम लोगों को राहत मिल रही है और शासन के प्रति उनका विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। इसी क्रम में जिला बेमेतरा में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित प्राप्त चार शिकायतों का त्वरित निराकरण कर आवेदकों को आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए गए। शिकायतों के समाधान के बाद सभी आवेदकों ने संतोष व्यक्त करते हुए राज्य सरकार एवं संबंधित अधिकारियों का आभार प्रकट किया।

ग्राम पंचायत मेहना के निवासी श्री आयुष ने जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिया, जिससे शिकायत का सफलतापूर्वक निराकरण हुआ। इसी प्रकार ग्राम पंचायत तेंदुवा, जनपद पंचायत साजा निवासी श्री

भोलूराम पटेल ने अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में अद्यतन कराने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जन्म प्रमाण पत्र अद्यतन कर हितग्राही को उपलब्ध कराया गया।

वहीं नगर पालिका बेमेतरा निवासी श्री अजय यादव ने अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में आवश्यक सुधार कराने के लिए सीएम हेल्पलाइन का सहारा लिया। संबंधित अधिकारियों ने समयबद्ध कार्रवाई करते हुए संशोधित जन्म प्रमाण पत्र जारी किया, जिससे आवेदक पूरी तरह संतुष्ट हुआ। इसी तरह ग्राम गातापार, ग्राम पंचायत कोपेड़डीह निवासी श्री दीप सिंह ने मृतका श्रीमती चंद्रवती बाई साहू के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया और शिकायत का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। चारों मामलों में शिकायतकर्ताओं ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हुआ, जिससे उन्हें अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए शासन एवं प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की समस्या का पारदर्शी, संवेदनशील एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। सीएम हेल्पलाइन 1076 इसी दिशा में प्रभावी माध्यम बनकर लोगों को त्वरित राहत प्रदान कर रही है तथा सुशासन की अवधारणा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सर्वब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार, सौंपे गए नए दायित्व

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया । सर्वब्राह्मण समाज की आवश्यक बैठक नगर के महाराणा प्रताप भवन में आयोजित की गई। बैठक में थानखम्हरिया तहसील के बड़ी संख्या में विप्रजन शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पूजा-अर्चना एवं स्वस्तिवाचन के साथ किया गया।

बैठक में संगठन को अधिक सरि᳭ य एवं मजबूत बनाने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर नए दायित्व सौंपे गए। सर्वसम्मति से पं. व्यासनारायण पांडे को तहसील संरक्षक, अमित दुबे, संजय मिश्र एवं बादल मिश्रा को तहसील उपाध्यक्ष, पंकज शर्मा को सचिव, हेमेंद्र शर्मा को कोषाध्यक्ष, सुरेश शर्मा को नगर संरक्षक, आशीष दुबे एवं बंटी जोशी को सचिव तथा गिरीश शर्मा को कोषाध्यक्ष का दायित्व प्रदान किया गया।

मुख्य वक्ता पं. ओमप्रकाश जोशी (प्रदेश सचिव, सर्वब्राह्मण समाज) ने कहा कि ब्राह्मण समाज भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्मिक परंपरा का आधार रहा है। समाज अपनी विद्वत्ता, सदाचार एवं लोककल्याण की भावना के लिए जाना जाता है। उन्होंने देश, समाज और संस्कृति के उत्थान के लिए विप्र समाज को संगठित

रहने का आह्वान किया।

संभाग सचिव डॉ. आर.पी. शर्मा ने समाज में एकता एवं परस्पर सहयोग की भावना को समय की आवश्यकता बताते हुए सभी को सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने का संदेश दिया।

तहसील संरक्षक पं. व्यासनारायण पांडे ने कहा कि विप्र की पहचान जनेऊ, तिलक और शिखा है तथा इन परंपराओं का पालन करना प्रत्येक ब्राह्मण का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश, समाज और धर्म पर संकट आया, तब-तब विप्र मनीषियों ने आगे बढ़कर समाज का मार्गदर्शन किया है। तहसील अध्यक्ष कमल किशोर शर्मा ने कहा कि विप्र समाज ने सदियों से भारतीय संस्कृति, धर्म, ज्ञान और संस्कारों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं हेमेंद्र शर्मा ने भी अपने प्रेरक उद्बोधन से उपस्थितजनों में उत्साह का संचार किया।

कार्यक्रम का संचालन कमल किशोर शर्मा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नगर सर्वब्राह्मण समाज के अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने किया। बैठक में नगर सहित पूरे थानखम्हरिया तहसील के ब्राह्मण समाज के लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और जनशिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी - कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं

सुशासन तिहार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा के साथ हर घर तिरंगा एवं स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन की शिकायतों के समयबद्ध निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सुशासन तिहार, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, कलेक्टर जनदर्शन तथा विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राजस्व, पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदिवासी विकास, विद्युत सहित सभी विभागों के लंबित मामलों की विभागवार जानकारी ली गई।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनदर्शन एवं सुशासन तिहार के माध्यम से प्राप्त शिकायतें सीधे आमजन की अपेक्षाओं से जुड़ी होती हैं। इनका समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण ही सुशासन की वास्तविक पहचान है। कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय प्रमुखों को आगामी 15 दिनों के भीतर विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा अनावश्यक विलंब करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाने पर जोर

बैठक में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम न रहकर जन-जन की भागीदारी वाला राष्ट्रीय अभियान बने। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों, कॉलेजों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वयं सहायता समूहों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से प्रभात फेरियां, तिरंगा रैलियां, देशभक्ति गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही सभी शासकीय भवनों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख चौराहों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा सोशल मीडिया एवं स्थानीय समाचार माध्यमों के जरिए अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। जनपद पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्रों में शत-प्रतिशत घरों तक तिरंगा पहुंचाने का लक्ष्य भी दिया गया।

गरिमामय एवं भव्य होगा जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह परंपरा, गरिमा और राष्ट्रभक्ति की भावना के अनुरूप आयोजित किया जाएगा। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं शहीदों के परिवारों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा स्कूली विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मार्च पास्ट एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपीं। पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था, नगर पालिका को साफ-सफाई एवं साज-सज्जा, स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस एवं प्राथमिक उपचार, विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा लोक निर्माण विभाग को कार्यर् म स्थल की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समन्वय के साथ करें तैयारियां पूर्ण

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश का गौरवपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है, जिसे पूरी गरिमा, उत्साह और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा कार्यक्रम का प्रभावी लाइव प्रसारण एवं फोटोग्राफी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस राष्ट्रीय उत्सव से जुड़ सकें।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज, जिले के समस्त एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखी, मरीजों एवं बच्चों से की आत्मीय बातचीत, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बुधवार को जिला चिकित्सालय बेमेतरा का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, मरीजों को मिल रही सुविधाओं एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा अस्पताल के प्रशासनिक कार्यों एवं अभिलेखों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे बातचीत की। उन्होंने मरीजों से उपचार, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाइयों की उपलब्धता, जांच सुविधाओं तथा अस्पताल में मिलने वाली अन्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान अस्पताल में उपचार हेतु आए बच्चों से भी उन्होंने आत्मीयता से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रतीक्षालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सिविल सर्जन एवं संबंधित अधिकारियों से अस्पताल की व्यवस्थाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, आवश्यक दवाओं के भंडारण, चिकित्सा उपकरणों की कार्यशील स्थिति तथा मरीजों की सुविधा के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही अस्पताल में स्वच्छ एवं सकारात्मक वातावरण बनाए रखने तथा मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल आमजन की स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं सेवा भावना के साथ करें, ताकि जिले के नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक सहित अस्पताल के चिकित्सक, संबंधित अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल ने की जनसुनवाई

आम नागरिकों की शिकायतें सुनकर त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने भूमि विवाद, पारिवारिक प्रकरण, आपराधिक मामलों सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। एसपी ने प्रत्येक शिकायत का अवलोकन कर संबंधित थाना एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए आवेदनों का शीघ्र एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। तात्कालिक महत्व के मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि विस्तृत जांच की आवश्यकता वाले प्रकरणों को विधिवत दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

एसपी श्री त्रिलोक बंसल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखते हुए

पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर स्टेनो श्री संतोष सोनवानी सहित पुलिस कार्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित रंगमंच का विधायक इन्द्र साव ने लोकार्पण किया

भाटापारा। ग्राम माचाभाट में रंगमंच लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक इन्द्र साव थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और ग्रामीण जन उपस्थित थे। विधायक इन्द्र साव ने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा रंगमंच का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई प्रतिभा को निखारने का मंच है। उन्होंने आगे कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। इस लोकार्पण समारोह में सरपंच परमेश्वर यदु, पूर्व सरपंच शांति रामकुमार यदु, ठेठवार समाज प्रमुख व्यासनारायण यदु, राजेश यदु, रामनारायण यदु, रामफल, तुलसीराम, पंचराम, लक्ष्मीकांत यदु, कोटवार सेवादास मानिकपुरी, बसंत यादव, परदेशी यादव, कलेसर यादव, फागुराम यादव, पंच धनीराम ध्रुव, बिहारी ध्रुव, गड्डूर ध्रुव, कृष्णा यादव, गुलाम यदु, कमल साहू, त्रिभुवन यदु, सुधीर शर्मा, मुकेश, मनीष कुमार, रामभजन ध्रुव, इंद्राज ध्रुव, पोषण साहू, शोभित यदु, रामचन्द्र यदु, सहित बड़ी संख्या में युवा वर्ग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस पार्टी संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि - रविन्द्र चौबे

थान खम्हरिया । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी थान खम्हरिया के अंतर्गत मंडल कांग्रेस कमेटी खैरझिटीकला का सम्मेलन एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साजा क्षेत्र के जननेता एवं प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के ग्राम खैरझिटीकला पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं एवं जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंडल कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं सभी सेक्टर अध्यक्षों को संगठन की ओर से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि रविन्द्र चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका कार्यकर्ता है और संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि होता है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से कांग्रेस की विचारधारा, रीति-नीति एवं जनसेवा की परंपरा को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा, जब प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझे और उनके समाधान के लिए संघर्ष करे।

रविन्द्र चौबे ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। उन्होंने किसानों को खाद, बीज एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश का किसान आज अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। उन्होंने महतारी वंदन योजना के भुगतान में आ रही परेशानियों, स्मार्ट मीटर लगाए जाने तथा लगातार बढ़ते बिजली बिलों से आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ का भी जिर् किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक पदाधिकारी जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे और सेवा भाव से कार्य करते हुए आम लोगों का विश्वास जीतने का प्रयास करे।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रोशन सिन्हा ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत करना है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने तथा आगामी समय में कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष डाकवर पटेल, अविनाश पटेल, जलेश्वर राजपूत, ओमप्रकाश कश्यप, खैरझिटीकला के सरपंच पीतांबर पटेल तथा घनश्याम साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष पुन्नीलाल पटेल, पिछड़ा वर्ग ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओंकार पटेल, मंडल अध्यक्ष राजेश साहू, जितेंद्र उपाध्याय, गोरेलाल चंद्राकर, राजेंद्र दुबे, उमाशंकर राजपूत, आशुतोष वैष्णव, रविशंकर पटेल, लल्ला वर्मा, सागर पटेल, सुरेश दुबे, गणेश मंडावी, करीम बेग, साहिल पटेल, सोनू पटेल, चंद्रशेखर पटेल, रोहित साहू, राजू राजपूत, अजय शर्मा, सुखीराम सेवैया, भूपेन्द्र सिन्हा, अवधेश राजपूत, ढाल सिंह राजपूत, कुंभकरण धुर्वे, रामायण पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस स्टैण्ड में बुनियादी सुविधा का अभाव , शौचालय तक मौजुद नही

भाटापारा। अस्थाई बस स्टैंड वर्तमान में अपनी बदहाली के आंसू रो रहा है। वर्तमान में बसों का संचालन कृषि उपज मंडी की जमीन से किया जा रहा है, जहां बुनियादी जनसुविधाएं पूरी तरह नदारद हैं। बस स्टैंड परिसर में सुलभ शौचालय की उचित व्यवस्था नहीं है। महिला यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। चारों तरफ पसरी गंदगी और डंपिंग यार्ड जैसी स्थिति के कारण बदबू से मुसाफिरों का बैठना दूभर हो गया है। मानसून के इस मौसम में जब लगातार बारिश और उमस हो रही है तथा यात्रियों के सिर छुपाने के लिए कोई पक्का शेड या प्रतीक्षालय नहीं है। यात्री दुकानों के छज्जों के नीचे या पेड़ों की आड़ में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हैं। इसी परिसर में एक तरफ सब्जी मंडी लगती है और दूसरी तरफ बसें खड़ी होती हैं। इसके कारण सुबह से लेकर शाम तक भारी जाम की स्थिति निर्मित होती है, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा हमेशा बना रहता है स्थानीय व्यापारियों और दैनिक यात्रियों का कहना है कि शासन द्वारा स्वीकृत नए बस स्टैंड का निर्माण कार्य तत्काल युद्ध स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए ताकि इस नारकीय स्थिति से मुक्ति मिल सके।

धुर्राबांधा में सड़क निर्माण को लेकर आंदोलन जायज - विधायक इन्द्र साव

भाटापारा । विधायक इन्द्र साव ने कहा कि भाटापारा मोपका घनेली मार्ग की मांग ग्रामीण लंबे समय से कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण आज तक सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि इसी मांग को लेकर आज बच्चे और ग्रामीण सड़क पर उतरकर लंबे समय तक आंदोलन करते रहे जिसके बाद प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा लेकिन केवल आश्वासन देकर लौट गया। विधायक साव ने आगे कहा कि उन्होंने इस सड़क के मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए 25 फरवरी को विधानसभा में प्रश्न लगाया था। इसके जवाब में जानकारी मिली कि छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग नवा रायपुर द्वारा इस मार्ग के निर्माण के लिए आवश्यक भू-अर्जन कार्य हेतु 4 करोड़ 20 लाख 61 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है जिसे वित्त विभाग की सहमति भी प्राप्त है। उन्होंने कहा कि स्वीकृति मिलने के बावजूद जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं होना चिंता का विषय है और जल्द ही कार्य प्रारंभ कराने के लिए शासन और प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा।

बालको ने विश्व युवा कौशल दिवस पर मनाया वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों का सफर

बालकोनगर । भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। आयोजित कार्यर् म में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने की उपलब्धियों को साझा किया गया। इस वर्ष विश्व युवा कौशल दिवस की थीम 'साझा भविष्य के लिए कौशल' है। कार्यर् म में बालको के वरिष्ठ अधिकारी, समुदाय के प्रतिनिधि, पूर्व प्रशिक्षु, वर्तमान प्रशिक्षु और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में स्किल स्कूल द्वारा सप्ताह भर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यर् म का आयोजन किया गया। वाद-विवाद, कविता लेखन, पोस्टर मेकिंग, इंडोर खेल और एआई वीडियो निर्माण जैसी कार्यों के माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मकता, तार्किक सोच, संवाद क्षमता और डिजिटल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

समारोह में प्रशिक्षुओं ने पारंपरिक लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति की झलक पेश की। कार्यर् म का विशेष आकर्षण वेदांता स्किल स्कूल के एक पूर्व प्रशिक्षु की वास्तविक जीवन यात्रा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति रही। प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस प्रकार कौशल

'15 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने के ऐतिहासिक पड़ाव की ओर वेदांता स्किल स्कूल'

प्रशिक्षण ने एक युवा के जीवन को नई दिशा देते हुए उसके लिए रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर तैयार किए।

प्रशिक्षुओं के सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पूर्व प्रशिक्षुओं की सफलता की कहानियों और तकनीकी कौशल प्रदर्शन के साथ आयोजित समारोह ने कौशल विकास के 15 वर्षों की यात्रा को यादगार बनाया।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, "पिछले 15 वर्षों से वेदांता स्किल स्कूल युवाओं को रोजगार से जुड़े कौशल सिखाकर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। हमारा उद्देश्य युवाओं को ऐसा प्रशिक्षण देना है, जिससे वे बदलती उद्योगों की जरूरतों के अनुसार अपने कौशल को विकसित कर सकें। व्यावहारिक प्रशिक्षण और आत्मविश्वास के साथ युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं और उनके लिए रोजगार व आजीविका के नए अवसर खुल रहे हैं। इसी प्रयास के माध्यम से हम समुदायों की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य में अपना योगदान दे रहे हैं।" इस अवसर पर वेल्डर और मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त 40 से अधिक युवाओं को प्लेसमेंट प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वहीं इस अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल में पीएम सूर्य घर सर्टिफिकेशन एंड स्किल अपग्रेडेशन कोर्स फॉर सोलर पीवी टेक्नीशियन की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के तहत 100 सोलर पीवी टेक्नीशियन को एक सप्ताह का कौशल उन्नयन एवं प्रमाणन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रशिक्षण के दौरान 3,500 रुपये का भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2010 में स्थापित वेदांता स्किल स्कूल पिछले 15 वर्षों से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान कर रहा है। अब तक 14 हजार से अधिक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और इस वर्ष स्कूल 15 हजार युवाओं के प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल करने की ओर अग्रसर है। यहां वेल्डिंग, इलेक्ट्रिकल, फिटर, सिलाई मशीन संचालन, फूड एंड बेवरेज सर्विस तथा सोलर पीवी इंस्टॉलेशन जैसे रोजगारपरक ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाता है। एनएसडीसी से मान्यता प्राप्त 5-स्टार स्मार्ट सेंटर युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान कर रहा है। बालको अपने कौशल विकास कार्यर् मों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भगवान शिव के ये 3 विशेष नाम? सावन में जल चढ़ाते वक्त इनका उच्चारण करना बेहद फलदायी

सावन की पावन शुरुआत हो चुकी है। अन्य मासों की तुलना में श्रावण मास का महीना अत्यंत पवित्र, धार्मिक और भगवान शिव की साधना और पूजा के लिए विशेष माना जाता है। यह समय भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक भी है। सावन मास में भगवान शिव के भक्त उनकी अलग-अलग विधि से पूजा करते हैं। कोई उनका जलाभिषेक करना पसंद करता है, तो कुछ लोग सावन के महीने में शिवजी को प्रसन्न करने के लिए रुद्राभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि, सावन के महीने में शिवलिंग पर जल चढ़ाते समय अगर महादेव के इन तीन विशेष नामों का उच्चारण किया जाए, तो शिव पुराण के अनुसार भगवान शंकर खुद उसकी सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं।

भगवान शिव के 3 नाम

शिव पुराण में भगवान शिव ने खुद बताया है कि, श्रावण मास के पवित्र महीने में जो भी भक्त शिवलिंग पर जल चढ़ाने के साथ मेरे इन तीन नामों का उच्चारण करता है, उस पर सदैव मेरी कृपा रहती है।

वे नाम हैं- 'हे अष्टकेश्वर महादेव', 'हे कुंदकेश्वर महादेव','हे शंभवेश्वर महादेव'

शिवलिंग पर जला अर्पित करते समय आंखों को बंद करके इन नाम का स्पष्ट रूप से उच्चारण करने से मानसिक शांति के साथ शारीरिक कष्ट, तनाव और जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

अष्टकेश्वर महादेव कौन हैं?

स्कंद पुराण के काशी खंड अध्याय के अनुसार, काशी के कई स्थानों पर अलग-अलग देवी-देवताओं का उल्लेख देखने को मिलता है। भगवान शिव का एक नाम और स्वरूप 'अष्टकेश्वर महादेव' जिनकी पूजा-अर्चना करने से जीवन में तमाम तरह के रोग, कष्ट और शारीरिक पीड़ाओं से मुक्ति मिलती है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में अष्टकेश्वर महादेव का प्राची मंदिर भी है।

इसके अलावा 'कुंदकेश्वर महादेव' का मंदिर मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में है, जिसे लेकर भक्तों के बीच मान्यता है कि, इस मंदिर में दर्शन मात्र से ही कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

वहीं भगवान शिव का अत्यंत कल्याणकारी रूप 'शंभवेश्वर महादेव' का नाम लेने से जीवन में तनाव, निराशा, अकेलापन और बाधाओं से मुक्ति मिलती है। अब अगली बार भगवान शिव की पूजा करने जाए तो उनके ये तीन नाम लेना मत भूलना।

सावन में रोज एक लोटा जल चढ़ाने से क्या होता है? शिवपुराण से जानें महत्व

सावन का महीना भगवान शिव की उपासना के लिए बहुत ही शुभ फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव पर एक लोटा जल भी चढ़ दिया जाए तो भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं। आइए जानते हैं शिवपुराण के अनुसार, भगवान शिव पर एक लोटा जल चढ़ाने का महत्व और विधि।

भगवान शिव का एक नाम भोलेभंडारी भी है। भगवान शिव को जो भक्त सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ जल अर्पित करता है। भगवान शिव उनके सारे भंडार भर देते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति भगवान शिव की उपासना करता है भगवान शिव उसके सारे कष्ट हर लेते हैं। सावन का महीना भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए सबसे प्रमुख माना जाता है। महादेव इतने सरल है कि वह सिर्फ एक लोटा जल का चढ़ाने से भी प्रसन्न हो जाते हैं। शिव महापुराण के अनुसार, सावन के महीने में अगर नियमित रुप और नियम के साथ एक लोटा जल का भी चढ़ा दे तो भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। आइए जानते हैं भगवान शिव को जलाभिषेक क्यों किया जाता है और सावन में एक लोटे जल का चढ़ाने से क्या होता है।

भगवान शिव को एक लोटा जल चढ़ाने का लाभ ?

भगवान शिव की पौराणिक कथाओं के अनुसार, जिस समय समुंद्र मंथन चल रहा था। उस समय हलाहल विष निकला था। विष पान के लिए कोई भी तैयार नहीं था इस विष के कारण सृष्टि के नष्ट होने का संकट पैदा हो गया था। तब सृष्टि को बचाने के लिए भगवान शिव ने विष पान किया लेकिन, उसे माता पार्वती ने उस विष को भगवान शिव के गले में रोक दिया। जिस वजह से भोलेनाथ का कंठ नीला हो गया। विष के प्रभाव के कारण भगवान शिव को अत्यंत गर्मी और जलन महसूस होने लगी। इस शांत करने से लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव का अभिषेक किया और बेलपत्र भी अर्पित करें। क्योंकि, बेलपत्र की तासीर भी ठंड़ी रहती है। जिस समय यह घटना हुई उस समय सावन था।

सावन है शिव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महीना

सबसे पहला कारण है भगवान शिव के प्रति आभार प्रकट करना, जिनके जटाओं में गंगा विराजती हैं और जो इस तपती धरती को राहत देने वाले सावन माह के देवता माने जाते हैं. मान्यता है कि इस पावन महीने में शिव कैलाश से उतरकर धरती पर आते हैं और जनसामान्य के बीच रहते हैं. यह हमें सिखाता है कि चाहे कोई कितना भी ऊँचा क्यों न हो, उसे समाज से जुड़कर रहना चाहिए ताकि उसका लाभ सभी को मिल सके.

जहां प्रवाह है, वहीं पवित्रता है

जिस प्रकार आकाश सावन में वर्षा कर धरती और जीवन को तृप्त करता है, उसी तरह हमें भी अपने भीतर की करुणा और संवेदना को प्रवाहित करना चाहिए. एक लोटा जल चढ़ाने का वास्तविक अर्थ यही है कि हम दूसरों के जीवन को शीतलता दें, उनकी पीड़ा में सहभागी बनें. जहां प्रवाह होता है, वहीं पवित्रता होती है—चाहे वह नदी का जल हो या हमारे हृदय की संवेदनाएं. स्थिरता और संग्रह हमें जड़ बना देती है, जबकि प्रवाह जीवन में ऊर्जस्विता लाता है.

सावन में उमड़ते-घुमड़ते बादल केवल वर्षा के सूचक नहीं, बल्कि वे मंत्रोच्चारण जैसे प्रतीत होते हैं. जब वे गरजते हैं, तब किसान खेतों में उनका स्वागत करते हुए खेती में जुट जाते हैं. यह एक अनुपम तालमेल है प्रकृति और पुरुषार्थ का.

सावन का समर्पणमय संदेश

सावन का महीना केवल शिव आराधना का समय नहीं, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि जैसे समुद्र बादलों के रूप में धरती पर जल लौटाता है, वैसे ही हमें भी माता-पिता, समाज और प्रकृति के प्रति अपने ऋण को समझना चाहिए. यह महीना हमें त्याग, करुणा, सेवा और आत्मशुद्धि की राह दिखाता है।

सावन में शिवलिंग पर एक लौटा जल चढ़ाने की विधि

महाशिवपुराण के अनुसार, सावन के महीने में नियमित रुप से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि शिवलिंग दांए हिस्से पर जल चढ़ाएं। यह गणेश जी का स्थान कहा जाता है।

वहीं, शिवलिंग के बाई तरफ जल चढ़ाएं यह स्थान कार्तिकेय भगवान का है।

इसके बाद जलाधारी पर जल चढ़ाएं। जो अशोक सुंदरी का स्थान है। इसके बाद शिवलिंग के गोलाकाल हिस्से पर जल चढ़ाएं। इसके बाद शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इस बात का ध्यान रखें कि आप सावन के महीने में एक ही समय उनपर भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही एक बेलपत्र जरुर अर्पित करें।

जलाभिषेक करते हुए त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रियायुधम्। त्रिजन्म पापसंहारं एकबिल्वं शिवार्पणम् इस मंत्र का जप करें। इसके अलावा आप शिव पंचाक्षरी मंत्र ओम नम: शिवाय का भी जप कर सकते हैं।

बेलपत्र अर्पित करते समय तत्रैकं बिल्वपत्रं यो महेशायाथ विष्णवे। देव्यै वा प्रददातीह सोऽपि पापाद्विमुच्यते इस मंत्र का जप करें।

महान नारी उर्मिला

भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास हुआ तो उनकी पत्नी माँ सीता ने भी सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया। परन्तु बचपन से ही बड़े भाई की सेवा मे रहने वाले लक्ष्मण जी कैसे राम जी से दूर हो जाते! माता -सुमित्रा से तो उन्होंने आज्ञा ले ली थी, वन जाने की.. परन्तु जब पत्नी उर्मिला के कक्ष की ओर बढ़ रहे थे तो सोच रहे थे कि माँ ने तो आज्ञा दे दी, परन्तु उर्मिला को कैसे समझाऊंगा!! क्या कहूंगा!!

यदि बिना बताए जाऊंगा तो रो रो कर जान दे देगी और यदि बताया तो साथ जाने की ज़िद्द करने लगेगी और कहेगी कि यदि सीता जी अपने पति के साथ जा सकती हैं तो मैं क्यों नहीं!!

यहीं सोच विचार कर के लक्ष्मण जी जैसे ही अपने कक्ष में पहुंचे तो देखा कि उर्मिला जी आरती का थाल हाथ में लेकर खड़ी थीं और बोलीं- "आप मेरी चिंता छोड़ प्रभु की सेवा में वन को जाओ। मैं आपको नहीं रोकुंगीं। मेरे कारण आपकी सेवा में कोई बाधा न आये, इसलिये साथ जाने की जिद्द भी नहीं करूंगी।"

लक्ष्मण जी को कहने में संकोच हो रहा था। परन्तु उनके कुछ कहने से पहले ही उर्मिला जी ने उन्हें संकोच से बाहर निकाल दिया। वास्तव में यहीं प%ी का धर्म है। पति संकोच में पड़े, उससे पहले ही पत्नी उसके मन की बात जानकर उसे संकोच से बाहर कर दे!!

पत्नी का इतना त्याग और प्रेम देखकर लक्ष्मण जी भी रो पड़े। उर्मिला जी ने एक दीपक जलाया और विनती की कि मेरी इस आस को कभी बुझने नहीं देना।

लक्ष्मण जी तो चले गये परन्तु 14 वर्ष तक उर्मिला ने एक तपस्विनी की भांति कठोर तप किया। वन में भैया-भाभी की सेवा में लक्ष्मण जी कभी सोये नहीं परन्तु उर्मिला ने भी अपने महलों के द्वार कभी बंद नहीं किये और सारी रात जाग जागकर उस दीपक की लौ को बुझने नहीं दिया।

मेघनाथ से युद्ध करते हुए जब लक्ष्मण को शक्ति लग जाती है और हनुमान जी उनके लिये संजीवनी का पहाड़ लेकर लौट रहे होते हैं, तो बीच में अयोध्या में भरत जी उन्हें राक्षस समझकर बाण मारते हैं और हनुमान जी गिर जाते हैं। तब हनुमान जी सारा वृत्तांत सुनाते हैं कि सीता जी को रावण ले गया, लक्ष्मण जी मूर्छित हैं।

यह सुनते ही कौशल्या जी कहती हैं कि राम को कहना कि लक्ष्मण के बिना अयोध्या में पैर भी मत रखना। राम वन में ही रहे। माता सुमित्रा कहती हैं कि राम से कहना कि कोई बात नहीं। अभी शत्रुघ्न है। मैं उसे भेज दूंगी। मेरे दोनों पुत्र राम सेवा के लिये ही तो जन्मे हैं। माताओं का प्रेम देखकर हनुमान जी की आँखों से अश्रुधारा बह रही थी। परन्तु जब उन्होंने उर्मिला जी को देखा तो सोचने लगे कि यह क्यों एकदम शांत और प्रसन्न खड़ी हैं? क्या इन्हें अपनी पति के प्राणों की कोई चिंता नहीं??

हनुमान जी पूछते हैं- देवी! आपकी प्रसन्नता का कारण क्या है? आपके पति के प्राण संकट में हैं। सूर्य उदित होते ही सूर्य कुल का दीपक बुझ जायेगा।

उर्मिला जी का उत्तर सुनकर तीनों लोकों का कोई भी प्राणि उनकी वंदना किये बिना नहीं रह पाएगा। वे बोलीं- " मेरा दीपक संकट में नहीं है, वो बुझ ही नहीं सकता। रही सूर्योदय की बात तो आप चाहें तो कुछ दिन अयोध्या में विश्राम कर लीजिये, क्योंकि आपके वहां पहुंचे बिना सूर्य उदित हो ही नहीं सकता।

आपने कहा कि प्रभु श्रीराम मेरे पति को अपनी गोद में लेकर बैठे हैं। जो योगेश्वर राम की गोदी में लेटा हो, काल उसे छू भी नहीं सकता। यह तो वो दोनों लीला कर रहे हैं। मेरे पति जब से वन गये हैं, तबसे सोये नहीं हैं। उन्होंने न सोने का प्रण लिया था। इसलिए वे थोड़ी देर विश्राम कर रहे हैं। और जब भगवान् की गोद मिल गयी तो थोड़ा विश्राम ज्यादा हो गया। वे उठ जायेंगे। और शक्ति मेरे पति को लगी ही नहीं शक्ति तो राम जी को लगी है।

मेरे पति की हर श्वास में राम हैं, हर धड़कन में राम, उनके रोम रोम में राम हैं, उनके खून की बूंद बूंद में राम हैं, और जब उनके शरीर और आत्मा में हैं ही केवल राम, तो शक्ति राम जी को ही लगी, दर्द राम जी को ही हो रहा।

इसलिये हनुमान जी आप निश्चिन्त होके जाएँ। सूर्य उदित नहीं होगा।"

वास्तव में सूर्य में भी इतनी ताकत नहीं थी कि लक्ष्मण जी के जागने से पहले वो उदित हो जाते! एक पतिव्रता तपस्विनी का तप उनके सामने खड़ा था। और मेघनाथ को भी लक्ष्मण जी ने नहीं, अयोध्या में बैठी एक तपस्विनी उर्मिला ने मारा।

राम राज्य की नींव जनक की बेटियां ही थीं... कभी सीता तो कभी उर्मिला। भगवान् राम ने तो केवल राम राज्य का कलश स्थापित किया परन्तु वास्तव में राम राज्य इन सबके प्रेम, त्याग, समर्पण , बलिदान से ही आया,,

प्रेषक- हेमन्त शर्मा (प्रेरक)
व्यवस्थापक- श्री गौरी गिरधर गौशाला-श्रीधाम वृंदावन

अवैध शराब के साथ दुपहिया चालक पुलिस के हत्थे चढ़ा

भाटापारा। पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध कारोबार में लिप्त लोगो के विरूद्ध धर पकड़ अभियान में पुलिस गशित दल ने भाटापारा सुरखी रोड में स्थित विद्युत ऑफिस के समीप घेराबंदी क र एक युवक को दुपहिया मोटर सायकल क्रमांक सीजी 22 एडी 7587 में अवैध रूप से 34 पाव देशी मसाला शराब परिवहन करते पकड़ा है पकड़े गये युवक ग्राम देवरी निवासी रोहित यादव के विरू द्ध आबकारी अधिनियम 34(2) के तहत कार्यवाही की गई है।

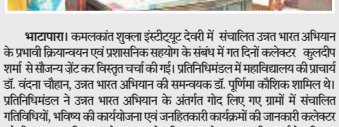

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने उन्नत भारत अभियान के सामाजिक सरोकारों को दिया समर्थन

भाटापारा। कमलकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी में संचालित उन्नत भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रशासनिक सहयोग के संबंध में गत दिनों कलेक्टर कुलदीप शर्मा से सौजन्य ज़ेंट कर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना चौहान, उन्नत भारत अभियान की समन्वयक डॉ. पूर्णिमा कौशिक शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए ग्रामों में संचालित गतिविधियों, भविष्य की कार्ययोजना एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी कलेक्टर को दी तथा प्रशासनिक सहयोग का अनुरोध किया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान यदि समाज और ग्रामीण विकास से जुड़कर कार्य करें तो सकारात्मक परिवर्तन अधिक प्रभावी ढंग से संभव है। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग प्रदान करने की सहमति व्यक्त की।बैठक में नशा मुक्ति अभियान, विद्यालयों एवं ग्रामों में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम, जल संरक्षण एवं वाटर हार्वेस्टिंग, महिलाओं एवं किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता एवं सेनेटरी पैड संबंधी जागरूकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा युवा प्रेरणा एवं व्यक्तित्व विकास जैसे विषयों पर संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने पर सहमति बनी। महाविद्यालय के संचालक मनीष शुक्ला ने कहा कि संस्थान शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्राचार्य डॉ. वंदना चौहान ने जिला प्रशासन के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उन्नत भारत अभियान की गतिविधियों को और अधिक गति मिलेगी। समन्वयक डॉ. पूर्णिमा कौशिक ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण एवं आजीविका से जुड़े अनेक कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जा रहे हैं तथा आगामी समय में इन्हें और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

एक अगस्त से बिजली के दाम कम करने तथा स्मार्ट मीटर वापस लेने कांग्रेस करेगी आंदोलन - इन्द्र साव

भाटापारा। विधायक इन्द्र साव ने कहा भाजपा सरकार ने जुलाई से घरेलू उपज़ेक्ताओं के बिजली दाम में 30 से 50 पैसे तथा गैर घरेलू बिजली में 20 से 40 पैसे की बढ़ोत्तरी किया है। कृषि के पंप की बिजली में भी 40 पैसे की बढ़ोत्तरी की गयी है। भाजपा की सरकार बनने के बाद लगातार पांचवी बार बिजली के दाम बढ़ाये गये है। बिजली के बेतहाशा बिल जनता की परेशानी का कारण बने हुये है। हाल ही में भाजपा सरकार ने बिजली के दामों में 12 प्रतिशत विद्युत ईंधन अधिभार के रूप में बढ़ोत्तरी किया था। भाजपा की सरकार आने के बाद अभी तक 31.23 प्रतिशत बिजली के दाम बढ़ाये गये है। साव ने कहा कांग्रेस की सरकार ने 5 साल में केवल 2 पैसे की बढ़ात्तरी बिजली के दामों में किया था, उसमें भी 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना लागू थी। भाजपा से सरकार नहीं संभल नहीं रही है। वह केवल जनता पर बोझ डालने का काम करती है। 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के बाद, पांच बार बिजली के दाम बढ़ाया जाना जनता पर बोझ है। सरकार का बिजली विभाग उपज़ेक्ताओं को बिल के नाम पर लूटने में लगा है। पिछले कुछ महीनों से बिजली के बिल तीन से चार गुना आ रहे है। संसद में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने अप्रैल 2026 में स्पष्ट किया था, कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर किसी भी उपज़ेक्ता पर जबरन नहीं थोपे जा रहे है, और यह पूरी तरह वैकल्पिक व्यवस्था है।

पत्रकार राजेश शर्मा को लाइव टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

भाटापारा। पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव के अंतर्गत वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा लाइव टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किए गए। अनिवार्य कारणों से वे मुख्य सम्मान समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। इसी क्रम में रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ,कोषाध्यक्ष दिनेश यदु एवं अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने गुरु पूर्णिमा के दिन राजेश शर्मा के निवास स्थान पहुंचकर सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह सौंप कर सम्मानित किया । इस अवसर पर उनके द्वारा पत्रकारिता के लिए किए गए दीर्घकालीन अवदानों का उल्लेख किया गया । इसे पत्रकार जगत के लिए प्रेरणादाई बताया गया साथ ही उनके स्वस्थ और दीघार्यु

जीवन की कामना की गई । इस दौरान वरिष्ठ' पत्रकार प्रशांत शर्मा,संदीप पुराणिक,राजेंद्र निगम व अन्य पत्रकार साथी उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों द्वारा निवासियों पर हमला

भाटापारा। ग्राम रोहरा में दो दिन पूर्व पांच आरोपियों ने गांव के ही निवासी एवं पेपर एजेंट शिव कुमार यदु एवं उसके परिवार पर हमला कर दिया जिससे परिवार के कई लोग घायल हो गये ओर उन्हें चोंटे आई जिसका आडिल अस्पताल में ईलाज कराया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार शाम 7 बजें शिव कुमार यदु अपने साथियों समेत घर आ रहे थे कि सरकारी कुआ के पास लोकोपोको मंदिर के अंदर कोमल यदु, डिगेश्वर यदु, गोपी यदु, तोशन यदु, कृष्णा यदु शराब पीते बैठे थे। जिसमें कोमल यदु के द्वारा गाली - गलौच किया जा रहा था जिसपर प्रार्थी ने मना किया कि गाली - गलौच मत करों जिसपर वे आवेशित हो गये । प्रार्थी ने इसकी सूचना अपने परिवार के मनराखन एवं सीताराम को फोन पर दिया परिवार वाले जब लेने आये तो कोमल यदु ने टंगिया और धारदार हथियारों से मारपीट शुरू कर दी एवं टिके श्वर यदु केघर के छत से ईट फेककर मारा गया जिससे राजा राम यदु के भुजा एवं बाये हाथ में चोट तथा मनराखन यदु के सर में चोट आई है ।

गंदगी व जल भराव से भाटापारा में मौसमी बीमारी के मरीज बढ़ रहे है

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर में कुछ स्थानों पर व्याप्त गंदगी जल भराव एवं कूड़ा कचरा के कारण पनप रहे मच्छरों व मक्खी के चलते लोग बिमार हो रहे है। नगर के दो दर्जन से अधिक छोटे बड़े निजी अस्पताल एवं सरकारी अस्पताल में इन दिनों उल्टी, दस्त , मलेरिया , टायफाइड व डेंगू के लक्षण शुरूआती तौर पर लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

इसका मुख्य कारण शहर में सफाई व्यवस्था का पुरी तरह बेहतर नही होना माना जा रहा है। गंदगी के चलते लोग उल्टी, दस्त , तेज बुखार व पेट खराब जैसी बीमारियों से ग्रसित हो रहे है। अर्से पूर्व पालिका क्षेत्र में सड़क व चौक चौराहे , नालियां एवं नालों में मच्छर व मक्खी नाशक दवा का छिड़काव प्रशासन द्वारा किया जाता रहा है लेकिन मौजुदा समय में सफाई व्यवस्था केवल औपचारिक रूप से चल रहा है। एक ओर जहां गौरव पथ व मुख्य मार्गो पर सफाई व्यवस्था बेहतर है वहीं दुसरी ओर घनी आबादी वाले शहर के भीतरी वार्डो में सफाई व्यवस्था दुरूस्थ नही होने से गंदगी व जल भराव के हालात आज भी पैर पसार रहे है। खासकर भगत सिंह वार्ड , संतकर्मा वार्ड एवं बलभद्र वार्ड में जहां सर्वाधिक गंदगी का माहौल व्याप्त है। वहीं गायत्री मंदिर के पीछे से एक निजी अस्पताल की ओर आने वाली सड़क पर लंबे समय से जल जमाव की स्थिति का निराकरण नही होने से उस क्षेत्र में गंदगी व बीमारी से लोग जूझ रहे है । इसी प्रक ार के हालात सदर वार्ड अंतर्गत हटरी बाजार क्षेत्र में व्याप्त है जहां पर भयावह जल भराव व गंदगी बंद पड़े रेलवे अंडर ब्रिज के पास देखने को मिल रहा है। इस क्षेत्र की समस्या को गंभीरता से हल करने की दिशा में ध्यान नही दिये जाने के कारण शहर का सबसे बड़ा गंदगी वाला क्षेत्र हटरी बाजार सदर वार्ड बना हुआ है। बताया जाताह है कि पालिका प्रशासन में एक लंबे समय से पूर्ण क ालिक व स्थायी स्वास्थ्य अधिकारी व सेनेटरी इन्सपेक्टर का पद रिक्त है जिसके कारण पुरी व्यवस्था लड़खड़ा गई है और तो गंभीर अनियमितता के कारण सफाई व्यवस्था भी बिगड़ रही है। प्रबुद्ध नागरिकों ने पालिका में पूर्ण कालिक स्वास्थ्य अधिकारी व सेनेटरी इन्पेक्टर पदस्थ करने की मांग की है।

नाबालिगों द्वारा वाहन चालन पर यातायात भाटापारा पुलिस ने की जागरूकता अभियान की शुरूआत

भाटापारा। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं अल्पवयस्क नाबालिग बच्चों द्वारा बिना लाइसेंस व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने की प्रवृत्ति को रोकने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में निरीक्षक नरेश कांगे के नेतृत्व में यातायात शाखा भाटापारा पुलिस टीम द्वारा एक नया नवाचार प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत शहर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों के सूचना पटल पर जागरूकता हेतु विशेष फ्लेक्सी बोर्ड स्थापित किए जा रहे हैं ताकि विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को यातायात नियमों

तथा कानूनी प्रावधानों की जानकारी मिल सके। इसी क्रम में यातायात पुलिस भाटापारा द्वारा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुरुकुल स्कूल एवं मयूर स्कूल परिसर में सूचना पटल पर फ्लेक्सी बोर्ड लगाए गए हैं। मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कानूनी प्रावधान यातायात पुलिस द्वारा लगाए गए जागरूकता फ्लेक्सी बोर्ड के माध्यम से आमजन एवं पालकों को सख्त चेतावनी व कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया जा रहा है। मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 199 अ के तहत यदि 18 साल से कम उम्र का बच्चा गाड़ी चलाते पकड़ा जाता है, तो माता-पिता/अभिभावक या गाड़ी के मालिक पर 25,000 का जुमार्ना अथवा 3 साल तक की सजा का कड़ा प्रावधान है। , वाहन पंजीयन निलंबन जिस गाड़ी से नाबालिग द्वारा अपराध या यातायात नियमों का उल्लंघन किया गया है उस वाहन का रजिस्ट्रेशन 12 महीने तक निलंबित किया जा सकता है। तथा ड्राइविंग लाइसेंस पर रोक नियम तोड़ने वाले नाबालिग को 25 साल की उम्र तक ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा है कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी परिस्थिति में दोपहिया या चारपहिया वाहन न दें।

मयूर विद्यालय में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर के प्रसिद्ध धर्माचार्य एवं भगवद् गीता के प्रवचन कर्ता पंडित झम्मन प्रसाद शास्त्री एवं नगर के वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद बलदेव भारती एवं संस्था के प्राचार्य नंदलाल बाजपेई का विद्यार्थियों द्वारा से स्वागत किया गया। संचालन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक बाजपेई , उपाध्यक्ष रविंद्र जैन , सचिव श्रवण अग्रवाल , कोषाध्यक्ष विजयमल एवं वरिष्ठ सदस्य अखिलेश जिंदाणी ने अतिथियों का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य शास्त्री ने छात्रों को संस्कारवान, संस्कृतिवान बनने गुरुजनों पर आस्था व उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए विद्यार्जन करने, गुरु जो कहे उसे परमात्मा की आज्ञा मानकर स्वीकार करने की प्रेरणा दी। शिक्षाविद भारती ने भी विद्यार्थियों को मोबाइल एवं सोशल मीडिया से दूर रहने, समय के साथ चलने, कर्तव्य पथ में अपनी पहचान बनाने पर जोर दिया । आगे उन्होंने कहा कि आपके जीवन के मूल्यवान 15 वर्ष समाप्त हो गए हैं, समय कम है, ऐसे में सन्मार्ग पर चलते हुए विकसित भारत की सेवा में यदि अपना योगदान दे सको तो सोने में सुहागा होगा, इसके लिए उन्हें शुभकामनाएं दी । अशोक बाजपेई ने कहा कि जीवन में ऐसे बहुमूल्य क्षण बहुत कम उपलब्ध होते हैं जब आपको ऐसे श्रेष्ठ धमार्चार्य और ज्ञानप्रवर शिक्षाविदों का सानिध्य प्राप्त होता है । अतः तुम्हें गुरुओं का सम्मान करते हुए शिक्षार्जन करना चाहिए। उपाध्यक्ष रविंद्र जैन ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि गुरु ही परब्रह्म है इसके असीम गुणों का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता इसलिए गुरु की शरण में विनम्र भाव से ज्ञान ग्रहण करें और स्वयं व देश का विकास करें। राह भूले को सन्मार्ग दिखाने वाला एवं धर्म की राह बताने वाला गुरु ही होता है। संस्था की शिक्षिकाओं ने गुरु के महत्व पर अपने विचार प्रकट किये सुश्री विमला राव, पूर्णा तिवारी ने छात्रों को गुरु के शरण एवं सानिध्य को राज मार्ग बताते हुए गुरु के प्रति बहुमान गुरु पूर्णिमा को ही नहीं अपितु सदैव होने की बात करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

रोहरा में 9वीं की छात्राओं को निः शुल्क सरस्वती योजना के तहत 89 सायकल वितरण किया गया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। ग्राम रोहरा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवप्रवेशी बालिकाओ को निःशुल्क सरस्वती योजना के अंतर्गत 89 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। उक्त अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष गोपाल शुक्ला ने बालिकाओ को बधाई देते हुए कहा कि राज्य शासन की योजना बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने तथा विद्यालय तक उनकी सुगम एवं सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने कि दिशा में अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने छात्राओं से नियमित रूप से विद्यालय आने जाने अनुसाशन बनाए रखने तथा शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को उज्जवल बनाने को कहा । भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री मनराखन यदु ने बालिकाओं को बधाई दी तथा स्कुल में बनाए गए नियमों का पालन करने की अपील की। उक्त कार्य₹ म में प्रधान पाठक लखन लाल साहू , प्रबंधन समिति अध्यक्ष नन्दकुमार माण्डले ,उपाध्यक्ष संजय जेन्ड्रा ,रामकरण यदु ,बुधारू ,जलछत्री, ओमप्रकाश लहरी, सहित स्कूल स्टॉफ के लोग उपस्थित थे।

शासकीय गजानंद अग्रवाल महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

भाटापारा। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना, वीर सैनिकों के प्रति सम्मान तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता का विषय कारगिल विजय दिवस इतिहास, वर्तमान और भविष्य के लिए सीख तथा भाषण प्रतियोगिता का विषय राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका और राष्ट्रीय सुरक्षा रखा गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं गंभीरता के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया गया।

जरहागांव में मृत्त देह का नेत्रदान कर परिजनों ने अनूठा उदाहरण पेश किया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर से 10 किलोमीटर दुर स्थित ग्राम जरहागांव की रोहणी वर्मा का गत दिनों निधन हो गया । इस बीच उनके परिजनों ने रोहणी वर्मा को अंतिम विदाई देने के साथ साथ मानव सेवा का एक ऐसा अनूठा उदाहरण भी पेश किया जिसके कारण दो नेत्रहीन लोगो के जीवन में नई रोशनी प्रकट होने की आशा है। जरहागांव निवासी रोहणी वर्मा के निधन के पश्चात उनके शोकाकुल परिवार द्वारा दुख की घड़ी में भी साहस व संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मृतिका रोहणी वर्मा का नेत्र दान कराया जिससे की नेत्रहीन व्यक्ति को नई रोशनी प्राप्त हो सके। परिवार वालो का कहना था कि मानव सेवा की भावना को ख्याल में रखते हुए नेत्रदान का निर्णय परिजनों ने लिया है उनका मानना है कि किसी के जाने के बाद उसके अंग किसी दुसरे मानव के जीवन में खुशहाली का संचार कर सकता है। तो इससे बड़ा पुन्य का काम और दुसरा कुछ हो नही सकता । जरहागांव के रोहणी वर्मा के इस फैसले की सर्वत्र प्रशंसा लोग कर रहे है। इस बीच नेत्रदान की पुरी प्र₹ि या के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम की उपस्थिति में प्रोटोकॉल नियम के अनुसार संपूर्ण प्र₹ि या सफलता पूर्वक की गई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश अवस्थी नेत्ररोग विशेषज्ञ , सुषमा माहेश्वरी , डॉ राजेन्द्र माहेश्वरी व नेत्र सहायक पद्मनी सिंगरौल , शारिक हैदरी , किस्मत गुलेरी सहित अन्य लोगो की टीम ने पुरी सावधानी व सतर्कता के साथ नेत्रदान प्र₹ि या का निष्पादन किया व नेत्र को नेत्र बैंक तक पहुंचाया ताकि समय पर प्रक्रिया व प्रत्यारोपण किया जा सके। उपरोक्त अवसर पर दिवंगत रोहणी वर्मा के परिवार के सदस्य हरिकिशन वर्मा , मोतीराम वर्मा , पुनाराम वर्मा का भी भरपुर सहयोग प्राप्त हुआ। उपरोक्त संबंध में डॉक्टर राजेश अवस्थी का कथन है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात उसके नेत्र दो दृष्टि बाधित लोगो को नई जिंदगी प्रदान कर सकता है आज की स्थिति में बड़ी संख्या में अनेक लोग कॉर्निया प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे है । यदि इसी तरह ज्यादा से ज्यादा लोग नेत्रदान का संकल्प लेले तो सैकड़ो लोगो की अंधेरी दुनिया में फिर से रोशनी का संचार हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने नेत्रदान की इस अभिनव पहल का स्वागत करते हुए लोगो से आगे आकर नेत्रदान के माध्यम से जरूरतमंद लोगो के जीवन में प्रकाश लोने की अपील की है ।

संक्षिप्त समाचार

भाटापारा में पहली बार सावन थीम पर कार्यक्रम का आयोजन

भाटापारा। आगामी 9 अगस्त दिन रविवार को कॉलेज रोड स्थित ऑडिटोरियम में अगाता फाउंडेशन द्वारा भाटापारा शहर में पहली बार सावन थीम पर रनवे और अपराजिता सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 5 कैटेगरी में प्रतिभागी भाग लेकर उक्त कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते है जिसमें मिस , मिसेज, किड्स , मेकअप आर्टिस्ट व मिस्टर श्रेणी के आयोजक किये गये है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले को सेलिब्रिटी गेस्ट के द्वारा सर्टिफिकेट ओर मोमेंटो प्रदान किया जायेगा । उक्त कार्यक्रम में सेलिब्रिटी गेस्ट मिस युनिवर्स सन् 2025 दामिनी देवांगन उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम के आयोजक अभिलाषा झा है। पांच कैटेग्री में जितने वाले विजेताओं को नगद राशि के साथ साथ अनेक पुरस्कार व वाउचर प्रदान किये जायेंगे ।

सावन का प्रथम सोमवार, भारी तादाद में शिवभक्त रवाना हुए बैजनाथ धाम

भाटापारा। 28 जुलाई मंगलवार से हांलाकि सावन सोमवार का महीना प्रारंभ हो चुका है लेकिन प्रथम सावन सोमवार 3 अगस्त को शहर व क्षेत्र के शिवभक्त बड़ी तादाद में विभिन्न शिवालयों में दुग्ध अभिषेक व जल अभिषेक करेंगे । इस बीच हजारों शिव भक्तो का जत्था पिछले एक सप्ताह से लगातार भाटापारा रेलवे स्टेशन से विभिन्न यात्री ट्रेनों में सवार होकर बाबा बैजनाथ धाम झारखण्ड सहित अन्य धर्म स्थल जिसमें सोमनाथ गुजरात , महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर , केदारनाथ , भीमाशंकर , काशी विश्वनाथ ,त्रयम्बेश्वर, नागेश्वर , रामेश्वरम, घृष्णेश्वर की ओर रवाना हुए जिसमें ज्यादातर श्रद्धालुओं की संख्या जर्सीडीह वैद्यनाथ धाम व त्रयम्बेश्वर नासिक एवं काशी विश्वनाथ वाराणसी , भीमाशंकर पुणे व ओंकारेश्वर व महाकालेश्वर उज्जैन जाने वाले शामिल है । इस बीच श्रावण मास शिव आराधना के लिए शहर के अनेक शिवालयों में हजारो भक्त अल सुबह से पहुंचने लगे है जिसमें बड़ा हनुमान मंदिर नेहरू वार्ड , महाकाल मंदिर परिसर पालिका के निकट, मारवाड़ी कुआ शिव मंदिर के अलावा क्षेत्र के प्राचीन शिव मंदिर रामपुर , शिवमंदिर, जोगीद्वीप गुर्रा , मदकूद्वीप के अलावा सिद्धबाबा धौराभाठा एवं सोमनाथ सहित अन्य मंदिर की ओर बड़ी तादाद में शिव पूजा का संकल्प लेने पहुंच रहे है । सावन सोमवार के विशेष पूजा के कारण नगर में गंगाजल पंचामृत , गन्नारस , दुध , चंदन अक्षत , घी , दीपक , बेलपत्र , धतुरा , आर्क के फुल , सफेद फुल, भांग , फल एवं मिठाई की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हो रही है । इसी प्रकार शिव के साथ साथ पार्वती की पूजा के लिए सोलह श्रृंगार की सामग्री भी भारी तादाद में महिलाएं पूजा के लिए खरीद रही है। शहर से शिव आराधना के लिए बाहर जाने वाले लोगो की भारी भीड़ के कारण विभिन्न यात्री ट्रेनों में जहां भारी भीड़ का माहौल देखने को मिल रहा है वहीं सड़क मार्ग पर भी चौपहिया वाहनों की बुकिंग कराकर लोग विभिन्न शिवालयों की ओर बड़ी तादाद में लोग जा रहे है। कुल मिलाकर सावन महीने के शिवभक्ति में लोग पुरी तन्मयता से जुट गये है।

60 पाव अवैध देशी मदिरा के साथ युवक को दबोचा पुलिस ने

भाटापारा। पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध कारोबार में लिप्त लोगो के विरूद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान में पुलिस गशित दल ने गश्त के दौरान रात्रि में ग्राम सुरखी - सेन्दरी मार्ग पर घेराबंदी करते हुए अवैध रूप से 60 पाव देशी मसाला शराब ले जा रहे दुपहिया मोटर सायकल ₹ मांक सीजी 22 एडी 0208 में सवार ग्राम सेंदरी निवासी देवेन्द्र सोनी उम्र 28 वर्ष को पकड़ा है । देवेन्द्र सोनवानी के विरूद्ध पुलिस ने आबकारी अधिनियम 34 (2) के तहत कार्यवाही की है।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद सेमरिया पुल का मरम्मत कार्य फिर शुरू

भाटापारा। शहर से 7 किलोमीटर दुर सेमरिया घाट शिवनाथ नदी पर दो दिन तक बाढ़ के कारण सेमरिया घाट पुल पुरी तरह जलमग्न हो गया था जिसके चलते 55 वर्षीय पुराने पुल की मरम्मत कार्य में व्यवधान उत्पन्न हुआ । बाढ़ का पानी कम होते ही मरम्मत कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और उम्मीद है कि इस सप्ताह भाटापारा बिलासपुर सड़क मार्ग पर यातायात सामान्य रूप से प्रारंभ हो जायेगा । पिछले एक महीने से पुल के आवश्यक मरम्मत कार्य के कारण भाटापारा से बिलासपुर का सीधा सड़क संपर्क बंद हो गया है जो अब प्रारंभ होने की उम्मीद है। हांलाकि राज्य शासन ने सेमरिया घाट पर उच्च स्तरीय नये पुल निर्माण की घोषणा पिछले बजट में की है लेकि न अभी उक्त घोषणा का क्रियान्वयन नही होने से उच्च स्तरीय पुल का अता पता नही है बहरहाल पुराने पुल को मरम्मत कर यातायात के योग्य बनाने का काम चल रहा है। उक्त पुल में यातायात बंद होने की वजह से भाटापारा क्षेत्र से बिलासपुर , कोरबा , अंबिकापुर की ओर जाने वाली तमाम वाहनों को लगभग 32 किलोमीटर का अतिरिक्त घुमावदार सफर तय करके नांदघाट के उच्च स्तरीय पुल के जरिये आना जाना पड़ रहा है जिसके कारण लोगो को समय के साथ साथ आर्थिक भार अतिरिक्त रूप से सहना पड़ रहा है। यातायात बाधित होने के कारण भाटापारा - बिलासपुर , भाटापारा - पथरिया , भाटापारा - सरगांव , भाटापारा - नवागढ़ , भाटापारा - बेमेतरा सहित बैतलपुर , नारायणपुर ,अमलडीहा , चकरवाय , मारो , घुरसेना के अलावा लगभग 50 से अधिक गांव के लोगो को नांदघाट के रास्ते लंबा सफर तय करने विवश होना पड़ा है। अब पुराने पुल के मरम्मत के बाद इस सप्ताह के अंत तक यातायात सामान्य रूप से प्रारंभ हो सकेगा जिससे लोगो को राहत मिलेगी । ऐसी संभावना है।

भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक संपन्न

शिवरतन शर्मा ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का किया आव्हान

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय स्वर्गीय गोविंद सारंग स्मृति भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विधानसभा प्रभारी प्रहलाद रजक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सरि य बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसेवा के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई.। बैठक को संबोधित करते हुए शिवरतन शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और इसकी वास्तविक ताकत हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाने तथा जनसेवा के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने पर हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि सशक्त संगठन ही विकसित राष्ट्र और जनसेवा का मजबूत आधार है। एक मजबूत संगठन के माध्यम से ही हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचा सकते हैं। पार्टी की नीतियों को जन-जन तक ले जाना ही हमारा संकल्प है.। वहीं विधानसभा प्रभारी

प्रहलाद रजक ने कहा कि संगठनात्मक मजबूती के बिना कोई भी दल जनता की सेवा नहीं कर सकता। उन्होंने आगामी सदस्यता संगठनात्मक कार्य₹ मों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं से जमीनी स्तर पर सरि यता से कार्य करने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और हम सबको मिलकर भाटापारा विधानसभा को संगठन के क्षेत्र में नंबर वन बनाना है। सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। उक्त अवसर पर वरिष्ठ नेता अनिल पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष द्वय केजूराम बघेल, सुनील यदु, भाजपा नेता राकेश तिवारी,चन्द्रमणि त्रिपाठी , महाबलदास बघेल, राजा कामनानी , सतीश तलरेला , संजय चौहान , पवन वर्मा , डब्ल्यू सिंग ठाकुर , आशीष टोडर , नंदकिशोर वैष्णव , नंदकिशोर अग्रवाल , योगेश अनंत , मोहनलाल बांधे, श्रेणिक गोल्छा , मनीष मिश्रा , कुंजराम कोशले, लक्ष्मीकांत टंडन सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षगण, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान जारी

वाहन केवल निर्धारित एवं सुरक्षित स्थानों पर ही करें पार्क, ताकि यातायात सुचारु एवं सुरक्षित बना रहे

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक (SP) श्री त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश यादव एवं डीएसपी (मुख्यालय) श्री राजेश कुमार झा के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस बेमेतरा द्वारा विशेष संयुक्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 03 अगस्त 2026 को नेशनल हाईवे किनारे स्थित विभिन्न ढाबों एवं होटलों के आसपास सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर खड़ा कराया गया। संयुक्त टीम ने ढाबा एवं होटल संचालकों के साथ-साथ वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि सड़क किनारे वाहन खड़े करने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। वाहन केवल निर्धारित एवं सुरक्षित स्थानों पर ही पार्क करें, ताकि यातायात सुचारु एवं सुरक्षित बना रहे। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी के.एल. महौर, यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, देवकुमार आर्य, प्रधान आरक्षक

सड़क सुरक्षा के लिए जिला परिवहन एवं यातायात पुलिस का संयुक्त अभियान जारी, हाईवे किनारे अव्यवस्थित पार्किंग हटाकर दी समझाइश

दौलत वर्मा, लोकेन्द्र पांडेय सहित परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम उपस्थित रही। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही नागरिकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने एवं सभी यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। साथ ही अधिकारियों ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तत्काल सहायता कर उसे अस्पताल पहुंचाने अथवा एम्बुलेंस को सूचना देने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्घटना पीड़ित की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन को पुलिस अथवा अस्पताल द्वारा किसी भी प्रकार से परेशान नहीं किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को मिलेगी मजबूत डिजिटल पहचान, 2,305 नए मोबाइल टावरों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्र से मांगी मंजूरी

577 अतिरिक्त मोबाइल टावरों की स्वीकृति पर मुख्यमंत्री ने जताया केंद्र सरकार का आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली स्थित संचार भवन में केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में डिजिटल एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने विशेष रूप से प्रदेश के दूरस्थ, जनजातीय, सीमावर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों में निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) योजना के अंतर्गत प्रस्तावित 2,305 नए मोबाइल टावरों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के संकल्प को छत्तीसगढ़ के अंतिम गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भौगोलिक दृष्टि से कठिन और दूरस्थ क्षेत्रों में मजबूत डिजिटल कनेक्टिविटी आज केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास की बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है। मोबाइल नेटवर्क और हाई-स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता से इन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाओं और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तक सहज पहुंच मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के अनेक दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण संचार नेटवर्क का विस्तार चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे क्षेत्रों में 2,305 नए मोबाइल टावरों की स्थापना डिजिटल समावेशन की दिशा में बड़ा परिवर्तन लाएगी। उन्होंने कहा कि इससे उन गांवों और बसाहटों तक भी विश्वसनीय मोबाइल एवं इंटरनेट नेटवर्क पहुंचेगा, जो अब तक पर्याप्त संचार सुविधाओं से वंचित रह हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल प्रभावित रहे एवं दुर्गम क्षेत्रों के लिए 577 अतिरिक्त मोबाइल टावरों की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर केंद्र सरकार तथा केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय विशेष रूप से बस्तर सहित कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों को डिजिटल मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मोबाइल नेटवर्क का विस्तार शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और सुशासन को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम - मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आज शांति और विकास का नया वातावरण बन रहा है, वहां मजबूत संचार नेटवर्क विकास की गति को और तेज करेगा। बेहतर कनेक्टिविटी से नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद मजबूत होगा, आपातकालीन परिस्थितियों में संपर्क सुगम होगा और शासन की ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लोगों को अपने गांव के निकट ही प्राप्त हो सकेगा।

489 स्थानों के लिए बीएसएनएल को एनओसी जारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार स्वीकृत मोबाइल टावरों की स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा कर रही है। कुल 577 स्थानों में से अब तक 489 स्थानों के लिए बीएसएनएल को भूमि संबंधी अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी किए जा चुके हैं। शेष 88 स्थानों के लिए भी आवश्यक प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है और शीघ्र ही स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर आवश्यक अनुमति और भूमि संबंधी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां बीएसएनएल द्वारा मोबाइल टावरों की स्थापना का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। राज्य शासन संबंधित विभागों और जिला प्रशासन के माध्यम से आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर रहा है, ताकि टावरों की स्थापना में किसी प्रकार का अनावश्यक विलंब न हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल एवं इंटरनेट नेटवर्क के विस्तार का सबसे बड़ा लाभ विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, किसानों और ग्रामीण परिवारों को मिलेगा। इंटरनेट कनेक्टिविटी मजबूत होने से विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और डिजिटल शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे।

श्रावण मास विष्णु और शिव की आराधना का स्वर्णिम काल - संत श्री रामबालकदास जी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। श्रावण नाम का आधार श्रवण नक्षत्र है और इसके अधिदेवता भगवान विष्णु माने गये हैं फिर भी इस मास में भगवान शंकर की आराधना का विशेष महत्व है। इसलिये श्रावण मास को भगवान विष्णु और शिव दोनों की उपासना का महत्वपूर्ण मास माना जाता है।

श्री पाटेश्वरधाम के ऑनलाईन सत्संग में श्रावण मास की महिमा पर प्रकाश डालते हुये संत

श्रीरामबालकदास जी ने कहा कि वैसे तो प्रत्येक मास का अपना विशिष्ट धार्मिक, आध्यात्मिक महत्व है लेकिन सावन महिने का विशेष महत्व है। इसे शिव जी की पूजा, आराधना, अभिषेक के लिये फलदायी माना जाता है। समुद्रमंथन की कथा का उद्धरण देते हुये संत भगवान ने कहा कि शिव जी द्वारा विश्वकल्याण की भावना से हलाहल पीने के बाद उनकी ऊष्मता को कम करने गंगाजल, दूध, दही, मधुरस का लेपन किया गया शिवजी इस अभिषेक से प्रसन्न हुये तब से शिव अभिषेक की यह परंपरा शुरू हुयी। भक्तगण गंगाजल लेकर कॉवड़ यात्रा कर शिव अभिषेक करते हैं। यह जलाभिषेक केवल पूजा नहीं बल्कि लोककल्याण अंतकरण की शीतलता और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। इस माह में अनेक पर्व उत्सव आते हैं। सावन महिना केवल व्रतों और पर्वों का महिना नहीं बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का जीवंत दर्शन है। इस मास में प्रकृति के संरक्षण का संदेश देने वाला नागपंचमी, भाई - बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन, हरियाली तीज, श्रावणी पूर्णिमा, स्वाधीनता दिवस, तुलसी जयंती आदि अनेक पर्व आते हैं जो हमें धर्म, ज्ञान, करूणा, भक्ति, प्रेम का मार्ग दिखाते हैं।

गांजा की अवैध तस्करी के मामले में दो लोगो को 10 - 10 वर्ष की सजा

भाटापारा। नगर के एक गांजा की अवैध तस्करी के मामले में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस न्यायालय ने दो लोगो को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के कठोर कारावास और एक-एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस संगीता नवीन तिवारी की अदालत ने सुनाया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक संतोष कुमार कजौजे ने बताया कि मामले में मध्य प्रदेश निवासी शिवानंद पटेल और पूजा पटेल के खिलाफ पुलिस थाना भाटापारा शहर ने कार्यवाही की थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी रेलवे माल धक्का के पास स्थित सिद्ध बाबा शराब भट्ठी रोड, भाटापारा क्षेत्र में गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान शिवानंद पटेल के पिट्ठू बैग से 12.460 किलोग्राम गांजा तथा पूजा पटेल के पिट्ठू बैग से 7.590 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दोनों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त किया। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोप पत्र सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष 10 गवाहों के बयान दर्ज कराए और साक्ष्य प्रस्तुत किए। जिसके आधार पर विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस न्यायालय ने उक्त सजा सुनाई है।

10 वर्षीय मोक्ष दुबे ने राज्य स्तरीय अबेकस प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार जीता 'चैंपियन' का खिताब

10 मिनट में 200 जटिल प्रश्नों को हल कर सबको चौंकाया

भाटापारा। प्रतिभा और लगन की कोई उम्र नहीं होती, इस बात को सच कर दिखाया है आधारशिला सीनियर सेकंडरी स्कूल के नन्हे विद्यार्थी मोक्ष दुबे ने। रायगढ़ के अग्रोहा धाम में आयोजित 'छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय अबेकस एवं मेंटल गणितीय प्रतियोगिता 2026 में मोक्ष ने लगातार दूसरी बार चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर पूरे जिले का मान बढ़ाया है। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से आए सैकड़ों मेधावी छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। कड़े मुकाबले के बीच, कक्षा चौथी के छात्र मोक्ष दुबे ने 'विजुअल कॉम्पिटिशन लेवल 4 जूनियर रूप में असाधारण प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। सत्र 2025 में भी रह चुके हैं राज्य स्तरीय चैंपियन। एकाग्रता और त्वरित निर्णय का शानदार प्रदर्शन इस प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में बच्चों की मानसिक गणना क्षमता, एकाग्रता, स्मरण शक्ति और त्वरित निर्णय क्षमता का कड़ा परीक्षण किया गया। विजुअल प्रतियोगिता के तहत बच्चों को मन में ही अबेकस की कल्पना कर बेहद कम समय में जटिल गणितीय सवालों के जवाब देने होते हैं। अपनी इस सफलता पर नन्हे मोक्ष दुबे ने कहा कि उनके प्राचार्य के उचित मार्गदर्शन एवं शिक्षक राजहोता सर के उत्कृष्ट प्रशिक्षण, माता-पिता के निरंतर सहयोग और नियमित अभ्यास की बदौलत ही इस मुकाम पर पहुंच पाया हूं।

सावन के प्रथम सोमवार पर सरपंच ने कराया नेवता भोज, बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। शासन की महत्वाकांक्षी नेवता भोज योजना के अंतर्गत सावन के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला, खपरी धोबी में ग्राम पंचायत खपरी धोबी के सरपंच गिरधारी निर्मलकर द्वारा विद्यार्थियों के लिए नेवता भोज का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर बच्चों को प्रेमपूर्वक खीर, पुड़ी, चावल, दाल एवं स्वादिष्ट सब्जी परोसी गई।

नेवता भोज में शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला खपरी धोबी के विद्यार्थियों के साथ आंगनबाड़ी केंद्र खपरी धोबी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी बच्चों ने आनंदपूर्वक भोजन ग्रहण किया तथा सरपंच का आभार व्यक्त किया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

विद्यालय के प्रधान पाठक धनेश रजक ने सरपंच गिरधारी निर्मलकर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे लगातार दो-तीन वर्षों से बच्चों के लिए नेवता भोज का आयोजन कर सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

कार्यक्रम में शिक्षक तारकेश्वर निर्मलकर, चंद्रशेखर कश्यप, सहायक शिक्षक थुकेल राम तारम एवं विजय लक्ष्मी रावत, पंच मिथुन पटेल, चंदेल निर्मलकर, राजा राम निर्मल, नेमु निर्मलकर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता किरण निर्मलकर तथा सहायिका पुष्पा निर्मलकर सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने सरपंच गिरधारी निर्मलकर के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सौहार्द, सेवा भावना और सामाजिक सहभागिता से परिपूर्ण यह आयोजन बच्चों के लिए यादगार बन गया। नेवता भोज के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखते ही बन रही थी।

नशा मुक्ति संकल्प अभियान का शुभारंभ, खिलाड़ियों का सम्मान एवं दिव्यांगजनों को बैटरी ट्राइसाइकिल वितरित

नशा सामाजिक बुराई, युवा नशे से दूर रहकर विकसित भारत का सपना करें साकार - मंत्री दयाल दास बघेल

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और युवा नशे से दूर रहकर ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश की रीढ़ और भविष्य हैं। युवा शक्ति में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता है, इसलिए युवाओं को अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए लगातार कार्य कर रही है, लेकिन नशे की लत इस प्रयास को कमजोर कर देती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर उन्नत, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति - विधायक दीपेश साहू

विधायक दीपेश साहू ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, पूंजी और उम्मीद होते हैं। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। यह युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, खेल और भविष्य को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं से अपने जीवन के लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा गांव, मोहल्ले, विद्यालय और महाविद्यालयों में नशा मुक्ति का वातावरण बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सभी युवा संकल्प लें कि नशे के बजाय शिक्षा, रोजगार, खेल और स्वस्थ जीवन को अपनाएंगे तथा कम से कम दस अन्य लोगों को भी नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करेंगे।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की नींव - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से "नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत" संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने देश के युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए नशामुक्त युवा आवश्यक हैं। उन्होंने इस अभियान में देशभर के युवाओं से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश - कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि नशापान जैसी कुरीतियों से समाज को दूर ले जाकर ही राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे की गिरफ्त में आने वाले युवाओं को जागरूक कर मुख्यधारा से जोड़ा जाए तथा जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। कार्यक्रम में मंत्री दयाल दास बघेल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस दौरान जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों का सम्मान किया गया तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा तीन दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राइसाइकिल वितरित की गई। स्कूली विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजकाकार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, तेलपानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com